कोटद्वार, शनिवार
2 अगस्त 2025
वर्षः 47
अंकः 93 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापकः स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

रुद्रपुर की युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हल्द्वानी। रुद्रपुर में बेसुध अवस्था में मिली एक युवती की डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल (एसटीएच) में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। युवती के शरीर पर नाखूनों की रगड़ जैसे निशान मिलने से मामला संदिग्ध लग रहा है। पुलिस के अनुसार रम्पुरा निवासी 21 वर्षीय रोशनी पुत्री महिपाल रुद्रपुर सिडकुल में नौकरी करती थी। गुरुवार को वह घर से ड्यूटी के लिए निकली थी। दोपहर में वह एक फॉर्म हाउस के बाहर बेसुध मिली। उसे एंबुलेंस की मदद से डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया। यहां युवती ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के कारणों की वजह सामने नहीं आ सकी है। मेडिकल चौकी प्रभारी बीएस मेहता ने बताया कि मामले की सूचना रुद्रपुर पुलिस को दी गई है।

पी.एम.किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त आज होगी जारी

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शनिवार को वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में पी.एम.किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जारी की जाएगी। इस उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में दिनांक 02 अगस्त 2025 को प्रातः 9.00 बजे से श्री हरबंश कपूर मैमोरियल कम्युनिटी हॉल, गढ़ी कैन्ट, देहरादून में कृषक गोष्ठी आयोजित की जाएगी। इस गोष्ठी में प्रधानमंत्री के वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम का लाइव वेबकास्ट प्रसारण किया जाएगा। कृषि विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार कृषक गोष्ठी में कृषि मंत्री गणेश जोशी, क्षेत्रीय सांसद, विधायकगण, विभिन्न दायित्वधारी तथा कृषि एवं रेखीय विभागों के अधिकारियों/कार्मिकों के साथ ही बड़ी संख्या कृषकों के द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा।

मोरी–सांकरी मार्ग का 50 मीटर हिस्सा धंसा, आवागमन ठप

उत्तरकाशी। विकासखंड मोरी के अंतर्गत नैटवाड़ सांकरी मोटर मार्ग का 50 मीटर हिस्सा धंसने से मार्ग पर आवाजाही ठप हो गई है। इससे क्षेत्र के सात गांवों का ब्लॉक मुख्यालय और जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है। इसके साथ ही काश्तकारों के समक्ष सेब की तैयार फसल को मंडियों तक पहुंचाने की चुनौती भी आ खड़ी हो गई है। शुक्रवार को नैटवाड़ सांकरी मोटरमार्ग पर फपराला खड्ड के समीप भूधंसाव होने से सड़क का करीब 50 मीटर हिस्सा धंस गया है। इससे मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई। मार्ग बंद होने से क्षेत्र के सिंदरी, सांकरी, सौड, ओसला, गंगाड़, पवाणी, ढाटमीर के ग्रामीणों का ब्लॉक मुख्यालय से संपर्क कट गया है। नैटवाड़ सांकरी मोटर मार्ग बन्द होने से अब ग्रामीणों को अपनी नगदी फसलें सेब, नाशपाती आदि को मंडियों तक पहुंचाने की चिंता सताने लगी है। काश्तकार चैन सिंह रावत, अमर सिंह पंवार, नौनिहाल सिंह राणा आदि ने बताया कि मोटर मार्ग बन्द होने से नगदी फसलें मंडी तक नहीं पहुंच पा रही है। सेब बागवानों ने जल्द मोटर मार्ग खोलने की मांग की है। इधर, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता गोविंद सिंह रावत ने बताया कि मोटर मार्ग खोलने में मशीनें मौके पर तैनात हैं। लगातार बारिश के कारण भू–धंसाव होने से मोटर मार्ग बार–बार बाधित हो रहा है। मार्ग को जल्द सुचारु करने का प्रयास किया जा रहा है।

राजमिस्त्री की गला घोंटकर की गई थी हत्या

रुद्रपुर। राजमिस्त्री कमलेश की गला घोंटकर हत्या की गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद इसका खुलासा हुआ है। मामले में पुलिस कुछ संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। बीते गुरुवार को कमलेश निवासी ग्राम उमरोली थाना बहेटा गोकुल हरदोई का शव घर के पीछे अमरूद के बाग में मिला था। कमलेश अपनी पत्नी बच्चों के साथ अपनी ससुराल धाधा फार्म में रहता था। बीते बुधवार की रात करीब 11 बजे वह शौच के लिए घर से बाहर निकला था। इसके बाद वह लापता हो गया था। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार कमलेश की गला घोंटकर हत्या की गई थी।

उपराष्ट्रपति चुनाव की तारीख घोषित

9 सितंबर को होगा मतदान

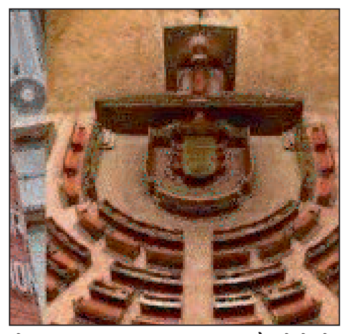

नई दिल्ली ,भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव को लेकर प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए बताया कि उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान आगामी 9 सितंबर को कराया जाएगा। चुनाव आयोग की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार, 7 अगस्त को चुनाव के लिए आधिकारिक अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी की जाएगी। इसके बाद इच्छुक उम्मीदवार 21 अगस्त तक अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी। उल्लेखनीय है कि यदि विपक्ष की ओर से कोई उम्मीदवार नहीं उतारा जाता है, तो सत्ताधारी गठबंधन के उम्मीदवार का निर्विरोध चुना जाना तय माना जाएगा। हालांकि, उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान गुप्त होता है, जिससे क्रॉस वोटिंग की संभावना बनी रहती है। ऐसे में राजनीतिक समीकरणों पर सभी की नजरें टिकी हैं। इसके साथ ही, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल की सूची तैयार कर ली है। ईसीआई के मुताबिक, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव नियम, 1974 के नियम 40 के अनुपालन में, आयोग ने निर्वाचक मंडल की सूची तैयार की है, जिसमें सभी सदस्यों के नवीनतम पते भी शामिल हैं। यह सूची राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के आधार पर वर्णमाला क्रम में व्यवस्थित की गई है।

राहुल गांधी का बड़ा दावा,हमारे पास एटम बम है, फटेगा तो हिंदुस्तान में चुनाव आयोग कहीं नहीं दिखेगा

नई दिल्ली , लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए दावा किया कि चुनाव आयोग वोट चोरी करवा रहा है और मैं 100 प्रतिशत सबूतों के साथ ये बोल रहा हूं।

राहुल गांधी ने कहा कि हमारे पास एटम बम है और ये फटेगा तो हिंदुस्तान में चुनाव आयोग कहीं नहीं दिखेगा। उन्होंने ये भी कहा कि अधिकारी रिटायर भी हो जाएंगे तो छोड़ेंगे नहीं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हमारे पास सबूत है कि चुनाव आयोग वोट चोरी करवा रहा है, और मैं ये हल्के में नहीं बोल रहा हूं। मैं 100 प्रतिशत सबूतों के साथ ये बात कह रहा हूं। हम जैसे ही ये सबूत सबके सामने रखेंगे, पूरे देश को पता चल जाएगा कि चुनाव आयोग वोट चोरी करा रहा है। किसके लिए करा रहा है–भाजपा के लिए करा रहा है। ये ओपन एंड शट है; इस पर कोई सवाल नहीं उठा सकता।

सीएम ने किया ग्राम विकास भवन का शिलान्यास

58.32 करोड़ लागत से बनेगा ग्राम्य विकास भवन

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को डांडा नूरीवाला सहस्त्रधारा रोड, देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए 58.32 करोड़ लागत से बनने वाले ग्राम्य विकास भवन का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने परिसर में पौधारोपण भी किया।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास विभाग के एकीकृत भवन के शिलान्यास पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह भवन ग्रामीण विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण साबित होगा। कहा कि लगभग 58 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित इस भवन में विभाग की प्रमुख फ्लैगशिप योजनाएं एक ही परिसर में संचालित होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार एक जनपद, दो उत्पाद योजना के माध्यम से स्थानीय आजीविका को बढ़ावा देने के साथ हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड के माध्यम से अपने पारंपरिक उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला रही है। उन्होंने बताया कि विश्व के प्रमुख देशों में भी राज्य के उत्पादों के निर्यात की योजना पर कार्य किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2027 तक 25 करोड़ रुपये के कारोबार को प्राप्त करना है, जिससे राज्य के हजारों युवाओं, महिलाओं एवं स्वयं सहायता समूहों को स्थायी आजीविका से जोड़ा जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टेट मिलेट मिशन, फार्म मशीनरी बैंक, एप्पल मिशन, नई पर्यटन नीति, नई फिल्म नीति, होम स्टे, वेड इन उत्तराखंड और सौर स्वरोजगार योजना जैसी पहलों के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। होम स्टे योजना के माध्यम से राज्य के दूरस्थ गांव भी अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं। लखपति दीदी योजना से प्रदेश की लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। रूरल बिजनेस इनक्यूबेटर सेंटर योजना द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा दिया गया है। इस अवसर पर विधायक उमेश शर्मा काऊ, सचिव श्रीमती राधिका झा, अपर सचिव अभिषेक रोहेला, श्रीमती अनुराधा पाल, सुश्री झरना कमठान एवं ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

जल्द शुरू होगा टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन पर काम

टनकपुर–बागेश्वर रेल लाइन पर केंद्र ने मांगी राज्य की सहमति 2026 तक तैयार होगी कर्णप्रयाग रेल लाइन

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन पर जल्द काम शुरू हो सकता है। केंद्र सरकार ने इस परियोजना पर काम शुरू करने के लिए राज्य सरकार से औपचारिक तौर पर सहमति देने को कहा है। राज्य सरकार जल्द इस दिशा में अधिकारिक पत्र केंद्र सरकार को भेजने जा रही है।

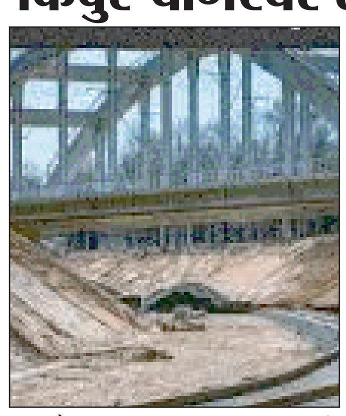

प्रस्तावित टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन को कुमाऊंक्षेत्र में रेल नेटवर्क विस्तार की दिशा में गेम चेंजर प्रोजेक्ट के रूप में देखा रहा है। करीब 170 किमी. लंबी इस परियोजना के लिए फाइनल सर्वे का काम पूरा हो चुका है। अब अगले चरण में परियोजना पर राज्य सरकार से विचार विमर्श होना है। काम शुरू करने से पहले केंद्र सरकार ने राज्य से औपचारिक सहमति प्रदान करने को कहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सचिव को इस दिशा में शीघ्र औपचारिकताएं पूरी करते हुए कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। इस तरह टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन का धरातल पर उतरने का रास्ता साफ हो रहा है। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में रेल नेटवर्क विकसित करने पर तेजी से काम हो रहा है। इसी क्रम में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेललाइन पर युद्धस्तर पर काम चल रहा है, सामरिक महत्व की इस परियोजना का काम 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसी तरह टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन बन जाने के बाद, कर्णप्रयाग-बागेश्वर जैसे दो पर्वतीय शहरों को रेल नेटवर्क से जोड़कर, गढ़वाल-कुमांऊ के बीच रेल सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। साथ ही प्रदेश सरकार के अनुरोध पर केंद्र सरकार ऋषिकेश-उत्तरकाशी और देहरादून-सहारनपुर रेलवे लाइनों की डीपीआर भी तैयार कर रही है। 81 किमी. लंबी देहरादून-सहारनपुर शाकुंभरी देवी मंदिर के रास्ते से होकर गुजरेगी। यह रेल लाइन सहारनपुर से देहरादून के हर्रावाला रेलवे स्टेशन तक बिछेगी। इसमें 11 किमी. लंबी सुरंग भी शामिल है।

रेल नेटवर्क को मजबूत करने में केंद्र का मिल रहा सहयोग

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बागेश्वर-टनकपुर रेल लाइन पर काम शुरू करने के लिए समस्त औपचारिकताएं तेजी से पूरी की जा रही है। इसी तरह ऋषिकेश-उत्तरकाशी और देहरादून-सहारनपुर रेलवे लाइनों की भी फाइनल डीपीआर तैयार की जा रही है। केंद्र सरकार उत्तराखंड में रेल नेटवर्क को मजबूत करने में पूरा सहयोग प्रदान कर रही है।

महाराज ने पंचायतीराज राज्य मंत्री बघेल से की शिष्टाचार भेंट

देहरादून। प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज ने केन्द्रीय पंचायतीराज राज्य मंत्री एस० पी० सिंह बघेल से नई स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर क्षेत्र पंचायत प्रमुख एवं जिला पंचायत अध्यक्ष के पद के लिए प्रत्यक्ष चुनाव कराये जाने की व्यवस्था किये जाने का अनुरोध किया गया है। प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज ने शुक्रवार को केन्द्रीय पंचायतीराज राज्य मंत्री एस० पी० सिंह बघेल से नई स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर भारत के संविधान में प्राविधानित व्यवस्था में संविधान संशोधन के माध्यम से क्षेत्र पंचायत प्रमुख एवं जिला पंचायत अध्यक्ष के पद के लिए प्रत्यक्ष चुनाव कराये जाने की व्यवस्था किये जाने का अनुरोध किया। गया है। उन्होंने केन्द्रीय राज्यमंत्री को बताया कि विभिन्न जनपदों के भ्रमण के दौरान क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं बुद्धिजीवी वर्ग द्वारा भी इस बात की अनुशंसा की जाती रही है कि क्षेत्र पंचायत प्रमुख एवं जिला पंचायत अध्यक्ष के पद के लिए प्रत्यक्ष चुनाव कराये जाने चाहिए।

भारत नहीं खरीदेगा अमेरिका से स्टील्थ एफ–35 लड़ाकू विमान

नईदिल्ली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ और जुर्माना लगाने की घोषणा के बाद भारत विकल्पों की तलाश में जुट गया है। इस बीच सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिसमें कहा गया है कि भारत अब अमेरिका से रक्षा उपकरण खरीदने को लेकर विचार करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने अमेरिका को सूचित किया है कि वह एफ–35 स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने का इच्छुक नहीं है। हालांकि, इस पर आधिकारिक बयान नहीं आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नरेंद्र मोदी की सरकार घरेलू स्तर पर रक्षा उपकरणों के संयुक्त डिजाइन और विनिर्माण पर केंद्रित साझेदारी में अधिक रुचि दिखा रही है, जो टैरिफ मामले में भारत की नाराजगी का पक्ष मजबूत करेगा। इसके अलावा भारत व्हाइट हाउस को शांत करने के लिए भी विकल्पों पर विचार कर रहा है, जिसमें अमेरिकी आयात को बढ़ावा देना भी शामिल है। हालांकि, भारत ने 25 प्रतिशत टैरिफ की कार्रवाई पर तत्काल जवाबी कार्रवाई से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत अब अमेरिका से रक्षा खरीद की योजना पर फिलहाल काम नहीं करेगा। भारत अमेरिका को शांत करने के लिए प्राकृतिक गैस की खरीद बढ़ाने, संचार उपकरणों और सोने का आयात बढ़ाने पर विचार कर रहा है। खरीद बढ़ाने से अगले 3 से 4 साल में अमेरिका के साथ भारत के व्यापार अधिशेष को कम किया जा सकता है। भारत अमेरिका से अच्छे द्विपक्षीय संबंध चाहता है। ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाते हुए कहा कि भारत के टैरिफ दुनिया में सबसे अधिक हैं और इससे वह सहमत नहीं हैं। इसके अलावा उन्होंने रूस से तेल और हथियार खरीद पर भी नाराजगी जताई, जिसको उन्होंने यूक्रेन युद्ध बढ़ाने के लिए एक तरह से वित्तपोषण बताया।

धर्मस्थल पर पथराव, विवादित सोशल मीडिया पोस्ट के बाद तनाव

पुणे के दौंड में सांप्रदायिक हिंसा

मुंबई,महाराष्ट्र के पुणे के दौंड तहसील में सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई है। यहां के यवत में एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर 2 समुदायों के लोग आमने–सामने आ गए हैं। एक धर्मस्थल पर झंडा लहराने और पथराव किए जाने की खबरें हैं।

इस दौरान लोगों ने कई वाहनों में भी आग लगा दी। हिंसा भड़कने पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने उपद्रवियों को काबू करने के लिए आंसू गैस के गोले भी दागे हैं। दरअसल, 26 जुलाई को यवत रेलवे स्टेशन परिसर के एक मंदिर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा अज्ञात लोगों ने क्षतिग्रस्त कर दी थी। इसके बाद से ही इलाके में तनाव था। इसके विरोध में आज हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन करने का ऐलान किया था। इस संबंध में आज सुबह एक युवक ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डाली थी। इसके बाद माहौल बिगड़ने लगा और देखते–देखते हिंसा भड़क उठी। पुणे के एसपी संदीप सिंह गिल ने कहा, यवत गांव में दोपहर करीब 12 बजे के बीच पुलिस को जानकारी मिली कि एक युवक ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक स्टेटस डाला है। इसके बाद युवक को थाने लाया गया। कुछ गांववाले भी थाने पहुंच गए। पुलिस ने शांति बनाए रखने के लिए गांव के प्रतिनिधियों के साथ बैठक शुरू की, लेकिन तब तक यह मैसेज वायरल हो गया। किसी को चोटें नहीं आई हैं। घटना पर विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

जिन इलाकों में कभी सांप्रदायिक तनाव नहीं रहा, वहां तनाव पैदा हो रहा है। राजनीतिक लाभ के लिए महाराष्ट्र की सेहत बिगाड़ने का काम चल रहा है। नेताओं का काम तनाव शांत करना होता है, लेकिन मौजूदा नेता सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

उत्तराखंड में मानसून बरपा सकता है कहर, दो दिन बहुत भारी बारिश की चेतावनी

देहरादून। उत्तराखंड में पहाड़ से मैदान तक बादल मंडरा रहे हैं और ज्यादातर क्षेत्रों में तीव्र बौछारों के दौर भी जारी हैं। देहरादून में झमाझम वर्षा क्रम बना हुआ है और रुक–रुककर वर्षा हो रही है। बारिश के कारण ज्यादातर क्षेत्रों में तापमान भी सामान्य के आसपास ही बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, आज देहरादून समेत छह जिलों में कहीं–कहीं भारी वर्षा हो सकती है। इसके अलावा देहरादून और बागेश्वर में रविवार और सोमवार को भारी से बहुत भारी वर्षा की चेतावनी है। शुक्रवार को देहरादून में सुबह से ही बादलों का डेरा रहा और कहीं–कहीं हल्की बौछारों का दौर चलता रहा। दिन में शहर के कई हिस्सों में जोरदार बारिश हुई। जबकि, शाम को भी बूंदाबांदी होती है। पहाड़ों की रानी मसूरी में भी रिमझिम बारिश होती रही। कुमाऊं में काशीपुर, जसपुर, खटीमा में जोरदार वर्षा के दौर हुए।

राज्यसभा में सदन की कार्यवाही के बीच पहुंचे सीआईएसएफ कर्मी

नईदिल्ली,राज्यसभा में शुक्रवार को संसद के मानसून सत्र के दौरान जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान विपक्ष ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों को सदन में बुलाने का आरोप लगाया है। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस संबंध में उपसभापति हरिवंश को पत्र लिखकर आपत्ति जताई है। उन्होंने पत्र में लिखा कि सदस्य अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर विरोध कर रहे थे, तभी सुरक्षा कर्मियों को सदन के वेल में दौड़ाया गया। खड़गे ने पत्र में लिखा, मैं सभी विपक्षी दलों की ओर से यह पत्र लिख रहा हूं। हम आश्चर्यचकित और स्तब्ध हैं कि किस तरह सीआईएसएफ कर्मियों को सदन के वेल में दौड़ाया गया, जबकि सदस्य अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर रहे थे। हमने कल और आज ये देखा। क्या हमारी संसद इस स्तर तक गिर गई है? यह बेहद आपत्तिजनक है और इसकी कड़ी निंदा करते हैं। उम्मीद है कि आगे

सीआईएसएफ के जवान सदन में नहीं आएंगे। संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि उन्हें राज्यसभा सचिवालय से पता चला है कि कुछ सांसद आक्रामक हो गए, जिसके चलते कुछ व्यवस्था की गई थी। उन्होंने कहा, सांसदों की मांग थी कि सुरक्षा बढ़ाई जाए, इसलिए सीआईएसएफ तैनात की गई। सदन के अंदर, कई बार सदस्य सत्ता पक्ष की मेज पर और वेल के पास शारीरिक रूप से खड़े हो गए। उन्हें ऐसा करने से रोकने के लिए सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

बंगालियों के कथित उत्पीड़न के खिलाफ फिर सड़क पर उतरेंगी सीएम ममता बेनर्जी

कोलकाता,मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एकबार फिर भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों के कथित उत्पीड़न के खिलाफ सड़क पर उतरेंगी। सीएम 17 से 21 अगस्त के बीच उत्तर बंगाल का दौरा कर सकती हैं, जहां उनके सिलीगुड़ी में एक बड़ी विरोध रैली का नेतृत्व करने की उम्मीद है। वरिष्ठ कैबिनेट सूत्रों के अनुसार, यह रैली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों में बंगाली भाषी प्रवासी श्रमिकों के साथ कथित दुर्व्यवहार के खिलाफ चल रहे राज्यव्यापी अभियान का हिस्सा है। मौसम की स्थिति के आधार पर, इस यात्रा में आसपास के पहाड़ी इलाकों का दौरा भी शामिल हो सकता है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा शुरू की गई इस श्रृंखला का यह तीसरा विरोध

प्रदर्शन होगा। पहली रैली बीरभूम जिले के बोलपुर–शांतिनिकेतन में आयोजित की गई थी, जो ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाला स्थान है। दूसरी रैली 6 अगस्त को दक्षिण बंगाल के आदिवासी बहुल इलाके झारग्राम में आयोजित की जाएगी। कैबिनेट के एक सदस्य ने बताया कि मुख्यमंत्री उत्तर बंगाल को विरोध प्रदर्शन के मार्ग में शामिल करके अभियान में क्षेत्रीय संतुलन सुनिश्चित करना चाहती हैं। दार्जिलिंग जिले के एक प्रमुख शहरी केंद्र सिलीगुड़ी को तीसरी रैली के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान माना जा रहा है। हाल के वर्षों में भाजपा के मजबूत चुनावी प्रदर्शन के कारण यह क्षेत्र राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। 2019 के लोकसभा चुनावों में, भाजपा ने उत्तर बंगाल की सात संसदीय सीटों में से छह पर जीत हासिल की थी। 2021 के विधानसभा चुनावों में, भाजपा ने इस क्षेत्र की 54 सीटों में से अधिकांश पर जीत हासिल की।

कंगना रनौत को पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट से झटका

चंडीगढ़,हिमाचल प्रदेश के मंडी से बीजेपी की सांसद और फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत को पंजाब–हरियाणा हाई कोर्ट से झटका लगा है. अदालत ने उनके खिलाफ मानहानि की शिकायत रद्द करने संबंधी याचिका खारिज कर दी है. ये मामला 2021 का है, जब किसान आंदोलन चल रहा था. उस दौरान कंगना ने बठिंडा के गांव बहादुरगढ़ जंडिया की रहने वाली 87 वर्षीय बुजुर्ग महिला किसान महिंदर कौर को 100–100 रुपए लेकर धरने में शामिल होने वाली महिला बताते हुए ट्वीट किया था. इसके खिलाफ महिंदर कौर ने भटिंडा कोर्ट में मानहानि का केस दर्ज करवाया था. महिंदर कौर ने कंगना के ट्वीट के बाद 4 जनवरी 2021 को मानहानि का केस दायर किया था. करीब 13 महीने सुनवाई चली, जिसके बाद बठिंडा की अदालत ने कंगना को समन जारी करते हुए पेश होने का आदेश दिया था.

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को फंसाने का था आदेश

मालेगांव ब्लास्ट केस में पूर्व एटीएस अफसर का सनसनीखेज खुलासा

मुंबई , साल 2008 के मालेगांव बम धमाका मामले में साध्वी प्रज्ञा और कर्नल पुरोहित समेत सभी 7 आरोपियों के बरी होने के ठीक एक दिन बाद, महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते के एक पूर्व अधिकारी ने सनसनीखेज खुलासा किया है। धमाके की शुरुआती जांच करने वाली टीम का हिस्सा रहे रिटायर्ड इंस्पेक्टर महबूब मुजावर ने दावा किया है कि उन पर तत्कालीन वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत को इस केस में फंसाने का दबाव बनाया गया था, ताकि "भगवा आतंकवाद" की थ्योरी को गढ़ा जा सके।

गुरुवार को स्पेशल कोर्ट द्वारा सभी आरोपियों को बरी किए जाने के बाद महबूब मुजावर ने एक के बाद एक कई चौंकाने वाले दावे किए। उन्होंने कहा, "भगवा आतंकवाद की पूरी संकल्पना एक झूठ थी। मुझे इस केस में इसलिए शामिल किया गया था ताकि इसे साबित किया जा सके। मुझे सीधे तौर पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को फंसाने के निर्देश दिए गए थे।"

मुजावर ने आरोप लगाया कि ये आदेश तत्कालीन मालेगांव धमाके के प्रमुख जांच अधिकारी परमबीर सिंह और उनके ऊपर के अधिकारियों ने दिए थे। उन्होंने कहा कि तत्कालीन सरकार और एजेंसियों का मकसद मोहन भागवत और अन्य निर्दोष लोगों को इस मामले में फंसाना था।

सम्पादकीय

चर्चाओं में योगी, फड़नवीस

इन दिनों एक और फेवरिट टाइमपास उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के बारे में चर्चाओं का है। ये दो नेता ऐसे हैं, जिनको प्रधानमंत्री पद का दावेदार माना जा रहा है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के रास्ते का कांटा भी माना जा रहा है। यह भी माना जा रहा है कि अमित शाह किसी तरह से इन दोनों को ठिकाने लगाने के प्रयास में हैं। इस कयासबाजी को रोज यूट्यूब प्लेटफॉर्म के इन्फ्लूएंसर हवा दे रहे हैं। कई 'समझदारइ लोग तो योगी आदित्यनाथ को ही अगला उप राष्ट्रपति बनवा रहे हैं। सोचें, 53 साल का उप राष्ट्रपति! ऐसे 'समझदारइ लोगों की एक दूसरी जमात है, जो योगी को उप राष्ट्रपति नहीं बनवा रही है, बल्कि देश का रक्षा मंत्री बनवा रही है और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को देश का उप राष्ट्रपति। असल में पिछले दिनों योगी आदित्यनाथ दिल्ली आए तो उन्होंने तीनों दरबारों में हाजिरी लगाई। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले। उनसे पहले दोनों उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य भी दिल्ली आए थे और अलग अलग जाकर अमित शाह से मिले थे। तभी कहा जाने लगा था कि उत्तर प्रदेश में बदलाव की शुरुआत होने वाली है। यह दावा किया कि किसी भी हाल में भाजपा योगी के नेतृत्व में यूपी का चुनाव नहीं लड़ेगी। अगर उनके कमान में यूपी का चुनाव होता है और जीतने के बाद वे तीसरी बार मुख्यमंत्री बनते हैं तो फिर अमित शाह के दिल्ली के तख्त पर बैठने की हसरत कभी पूरी नहीं हो पाएगी। इस मामले में सिर्फ कयासबाजी नहीं हो रही है। उधर महाराष्ट्र में देवेंद्र फड़नवीस की सरकार हर दिन किसी न किसी मामले में उलझ रही हैं। भाषा का मामला सरकार के गले की हड्डी बना। हालांकि कहा जा रहा है कि फड़नवीस ने इस आपदा को अवसरर बना दिया है। मराठी और हिंदी के विवाद में उद्धव व राज ठाकरे एक साथ आए हैं, जिनको फिर से एनडीए में लाने के प्रयास हो रहे हैं और साथ ही शिव सेना से अलग हुए एकनाथ शिंदे को अलग थलग करने के प्रयास हो रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि शिंदे के सिर पर अमित शाह का हाथ होने की खबर है। दावा किया जा रहा है कि शिव सेना टूटने के बाद अमित शाह ने ही फड़नवीस की जगह शिंदे को सीएम बनवाया था और पिछले साल की भारी भरकम जीत के बावजूद फड़नवीस का फैसला अटकाया था।जिस तरह योगी चुनौती बने हैं वैसे ही फड़नवीस भी चुनौती हैं। राज्य में फड़नवीस और शिंदे में ठनी है। दोनों में शीतयुद्ध चल रहा है। कुछ समय पहले शिंदे दिल्ली आकर लौटे हैं। मोदी के बाद प्रधानमंत्री पद के लिए अमित शाह को योगी आदित्यनाथ और देवेंद्र फड़नवीस से चुनौती मिलने के कयास हैं और इसी वजह से दोनों के खिलाफ साजिश किए जाने की अफवाहें फैल रही हैं।

आर्थिक भविष्य को नई दिशा, भारत–ब्रिटेन के बीच एफटीए

इस समझौते को मौजूदा दौर में दुनिया भर में जारी बहुस्तरीय तनाव, दबाव एवं दादागीरी की राजनीति के बीच सूझबूझभरी कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुल्क के मोर्चे पर एक बड़ा संकट खड़ा कर दिया है, लेकिन भारत ने इस द्वंद्व के सामने झुकने की बजाय नये रास्ते खोजे हैं। निश्चित ही यह समझौता महज कागजी करार भर नहीं है, बल्कि 'विकसित भारत 2047 के स्वप्न को मूर्त रूप देने की ठोस रणनीति है। जहां एक ओर यह समझौता 99 प्रतिशत टैरिफ को समाप्त कर वस्त्र, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, कृषि और रत्न–आभूषण जैसे श्रम–प्रधान क्षेत्रों को नई उड़ान देगा, वहीं छोटे उद्यमों, मछुआरों और किसानों को वैश्विक मंच पर पहचान भी दिलाएगा। भारत के ग्रामीण अंचलों से हल्दी, दाल, अचार जैसे उत्पाद अब ब्रिटिश बाजारों में अपनी महक फैलाएंगे।

ललित गर्ग

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की अंतिम स्वीकृति ने न केवल वैश्विक व्यापार जगत में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत के आर्थिक भविष्य को भी नई दिशा दी है।

पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से संरक्षणवाद बढ़ा है, उसमें ऐसे व्यापार समझौतों की भूमिका अहम हो जाती है। इस समझौते से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल अमेरिका, बल्कि अन्य देशों को भी भारत की मजबूत होती स्थिति का आईना दिखाया है, जो उनकी दूरगामी राजनीति का द्योतक है।

इस समझौते को मौजूदा दौर में दुनिया भर में जारी बहुस्तरीय तनाव, दबाव एवं दादागीरी की राजनीति के बीच सूझबूझभरी कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुल्क के मोर्चे पर एक बड़ा संकट खड़ा कर दिया है, लेकिन भारत ने इस द्वंद्व के सामने झुकने की बजाय नये रास्ते खोजे हैं। निश्चित ही यह समझौता महज कागजी करार भर नहीं है, बल्कि 'विकसित भारत 2047इ के स्वप्न को मूर्त रूप देने की ठोस रणनीति है। जहां एक ओर यह समझौता 99 प्रतिशत टैरिफ को समाप्त कर वस्त्र, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, कृषि और रत्न–आभूषण जैसे श्रम–प्रधान क्षेत्रों को नई उड़ान देगा, वहीं छोटे उद्यमों, मछुआरों और किसानों को वैश्विक मंच पर पहचान भी दिलाएगा। भारत के ग्रामीण अंचलों से हल्दी, दाल, अचार जैसे उत्पाद अब ब्रिटिश बाजारों में अपनी महक फैलाएंगे।

मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार से गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता पर जोर दिया है, उसी का परिणाम है यह करार। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि भारत अब केवल बाजार नहीं, बल्कि निर्णायक शक्ति भी बन चुका है। यह समझौता सेवा क्षेत्र, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, निवेश, सामाजिक सुरक्षा, और दोहरे कराधान जैसे क्षेत्रों में भी भारतीयों के लिए नये द्वार खोलता है। खासकर ब्रिटेन में काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के लिए यह राहत का संदेश है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट मिल सकेगी। यह समझौता इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि अब तक अमेरिका की ओर से पैदा किए गए किसी भी दबाव के आगे भारत ने झुकना स्वीकार नहीं किया और उसने भारत–ब्रिटेन जैसे नये विकल्पों को खड़ा करने और पुराने को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं।मोदी के मेड इन इंडिया संकल्प की दृष्टि से यह डील अहम है। इससे करीब 99 प्रतिशत निर्यात यानी यहां से ब्रिटेन जाने वाली चीजों पर टैरिफ से राहत मिलेगी। इसी तरह ब्रिटेन से आनी वाली चीजें भारत में सस्ती मिल सकेंगी जिससे आम लोगों को अधिक गुणवत्ता वाला सामान सस्ते में सुलभ होगा और उनके जीवन स्तर में व्यापक सुधार होगा। इससे मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में भारत की हिस्सेदारी 2.8 प्रतिशत है, जबकि चीन की 28.8 प्रतिशत।इसी तरह, देश की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान 17 प्रतिशत है और सरकार इसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहती है। इस तरह की डील से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर प्रदर्शन में सुधार होगा। कृषि सेक्टर को उन्नत बनाने एवं अधिक उत्पाद की दृष्टि से भी व्यापक फायदा होगा। इस समय भारत की बातचीत अमेरिका से भी चल रही है लेकिन वहां कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर रस्साकशी है। अमेरिका इन दोनों क्षेत्रों में खुली छूट चाहता है, जबकि अपने लोगों के हितों को देखते हुए भारत ऐसा नहीं कर सकता। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार होने से भारत के कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के एफटीए वस्तुओं और सेवाओं से कहीं आगे तक सांस्कृतिक आदान–प्रदान एवं नागरिक हितों तक जाते हैं। आस्ट्रेलियाई एफटीए के साथ भारत ने दोहरे कराधान का मुद्दा सुलझाया जो आईटी कंपनियों की परेशानी बढ़ा रहा था। ब्रिटेन के साथ समझौते का अहम बिंदु दोहरे अंशदान से जुड़ा है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं, अस्थायी भारतीय कर्मियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों को अब अनेक सुविधाएं भी मिल सकेंगी। निश्चित ही जहां बाजार बनते हैं अवसरों के, वहीं नीति बनती है भविष्य की नींव। भारत और ब्रिटेन के इस करार से विश्व सुनेगा अब भारत की गूंज!

मौसमी मार से शिक्षा प्रभावित

वैश्विक रिपोर्ट का अनुमान है कि अत्यधिक गर्मी के कारण बच्चों की स्कूली शिक्षा में डेढ़ साल तक की कमी आ सकती है। हाल के दशकों में हुई शिक्षा उपलब्धियों पर जलवायु परिवर्तन का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा है। गर्मी, जंगलों की आग, तूफान, बाढ, सूखा, बीमारियां और समुद्र का बढता स्तर शिक्षा परिणामों को प्रभावित करता है। यूनिस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी टीम, जलवायु संचार व शिक्षा निगरानी एवं मूल्याकंन परियोजना और कनाडाई विविद्यालय द्वारा संकलित रिपोर्ट के अनुसार बीते बीस वर्षों में चरम मौसम की घटनाओं के कारण कम से कम 75त्न समय स्कूल बंद रहे, जिससे पचास लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। बता रहे हैं, औसत से दो डिग्री अधिक तापमान का सामना करने वाले बच्चे औसत तापमान वाले बच्चों की तुलना में डेढ़ वर्ष कम शिक्षा प्राप्त कर पाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 में चरम मौसम की घटनाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित दस देशों में से आठ या तो निम्न या निम्नमध्य आय वाले हैं। यूनिसेफ के अनुसार, 2024 में दुनिया भर में कम से कम 24.2 करोड़ छात्रों की शिक्षा चरम मौसम के कारण बाधित हुई। पूर्व में भी विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि छात्रों पर उस तापमान का गहरा असर होता है, जिसके वे अभ्यस्त नहीं होते। तापमान में आने वाले जबरदस्त परिवर्तन सिर्फ पढाई के समय को ही नहीं प्रभावित करते बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता पर भी असरकारक होते हैं। जलभराव, सड़कों की दुर्दशा व परिवहन संबंधी दिक्कतों के चलते कितने छात्र स्कूल जाने से वंचित रह जाते हैं, इस पर कोई प्रमाणिक अध्ययन नहीं किया जाता। स्कूली शिक्षा व स्वशिक्षा की गुणवत्ता में भारी अंतर होता है। बावजूद इसके मौसमी मार से शिक्षा को बचाने के लिए ऐसे तरीके प्रयोग में लाने की आवश्यकता बढ़ती जा रही है, जिनकी मदद से स्वअध्ययन व इंटरनेट द्वारा पढ़ाई संभव हो सके। भारत में स्थिति और भी इसलिए बिगड़ जाती है क्योंकि यहां ढेरों स्कूलों के पास ढंग का भवन तक नहीं है। बिजली कनेक्शन या पंखों की हालात किसी से छिपी नहीं है।बेशक मौसम के चरम का असर शारीरिक होने के अतिरिक्त मानसिक भी कम नहीं होता। भीषण गरमी में पढ़ाई संभव नहीं होती। बल्कि मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, ध्यान केंद्रित करने, समझ व निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होती है। चूंकि यह वैश्विक समस्या है, इसलिए बगैर देरी किए सामूहिक रूप से इससे निपटना होगा।

धन के लिए समाज को क्षति

नागरिकों को भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अहमियत समझनी चाहिए और आत्म–नियमन का पालन करना चाहिए। देश के हर नागरिक को उच्चतम न्यायालय की इस नसीहत पर अमल करना चाहिए। आत्म नियमन के अभाव में कई बार इस आजादी के नाम पर अपमानजनक काम हो जाते हैं चाहे वह कोई रचना हो या टिप्पणी। ऐसे काम समाज को दूषित कर सकते हैं या वैमनस्य बढ़ा सकते हैं। स्थिति आगे बढ़कर विभाजनकारी सोच को मजबूत करते हुए साम्प्रदायिक सौहार्द को भी बिगाड़ सकती है। ऐसी स्थिति की पूर्व कल्पना किसी भी काम से पहले कर लेनी चाहिए। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति के वी विनाथन की पीठ वजाहत खान नामक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही है। खान पर सोशल मीडिया मंच 'एक्सइ पर एक हिन्दू देवता के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने का आरोप है। उसके खिलाफ पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हैं। खान ने एक अन्य सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ एक वीडियो में कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के लिए शिकायत दर्ज कराई थी। खान के वकील ने शीर्ष अदालत में कहा कि ऐसे पोस्ट के जवाब में आपत्तिजनक टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए। न्यायालय को लगता है कि लोगों के लिए सोशल मीडिया पोस्ट पर गाइडलाइन होनी ही चाहिए। पीठ ने सवाल किया कि नागरिक स्वयं संयम क्यों नहीं रख सकते? लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मोल समझना ही चाहिए। ऐसा नहीं होने की स्थिति में राज्य का हस्तक्षेप अवश्यंभावी है जो कोई नहीं चाहता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता 100 फीसद पूर्ण अधिकार नहीं हो सकता, लेकिन नागरिक इस स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर रहे हैं। प्रतिबंध होंगे तो सीमा से बाहर जाने पर कानून का भय रहेगा। पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 19 (2) के तहत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंधों को सही बताया। उच्चतम न्यायालय को इस बात पर भी गौर करना चाहिए कि सोशल मीडिया मंच किस तरह लोगों को हदें तोड़ने को प्रोत्साहित कर रहे हैं। किसी के भी खिलाफ कुछ भी लिख दो, अश्लील से अश्लील सामग्री पोस्ट कर दो। धर्म के खिलाफ अनर्गल पल्राप कर दो, सब बिना किसी रोक के प्रकाशित हो रहा है। सबसे पहले इनकी खबर ली जानी चाहिए। धन के लिए इन्हें समाज को क्षति पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

धार्मिक आस्था का उफान भीड़ प्रबंधन पर पड़ता भारी

जयसिंह रावत

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में 27 जुलाई को जो कुछ हुआ, वह किसी अप्रत्याशित घटना की तरह नहीं था।

यह हादसा एक बार फिर से उस सच्चाई को सामने लाता है कि धार्मिक आस्था का उफान जब प्रशासनिक विवेक, स्थान की क्षमता और वैज्ञानिक भीड़ प्रबंधन पर भारी पड़ता है, तो आस्था का यह सैलाब त्रासदी में बदल सकता है। उस दिन मंदिर के मुख्य मार्ग की सीढ़ियों पर अचानक भगदड़ मच गई। कहा गया कि किसी ने यह अफवाह फैला दी कि रेलिंग में करंट दौड़ रहा है। नतीजा यह हुआ कि 8 श्रद्धालुओं की मौके पर मौत हो गई और लगभग 30 श्रद्धालु घायल हो गए। यह घटना हमें बताती है कि हम आज भी उन्हीं भूलों को दोहरा रहे हैं जिनका इतिहास दशकों पुराना है।

मनसा देवी मंदिर पहाड़ी पर स्थित एक अत्यधिक लोकप्रिय शक्तिपीठ है, जहां सावन और नवरात्र जैसे पर्वों पर श्रद्धालुओं की भीड़ कई गुना बढ़ जाती है, लेकिन इस भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जो व्यवस्था होनी चाहिए, वह अक्सर उतनी ही कमजोर साबित होती है जितनी कि श्रद्धा प्रबल। यह पहली बार नहीं है जब हरिद्वार में ऐसा हुआ हो। इससे पहले 1986 के कुंभ मेले की भगदड़ में लगभग 200 लोगों की मृत्यु हुई थी। 2011 में हर की पैड़ी पर भी एक भगदड़ में 20 लोग मारे गए थे। इसी प्रकार 8 नवम्बर 2011 को ही शांतिकुंज के एक कार्यक्रम में भी भगदड़ में 20 श्रद्धालुओं की मौत और 30 घायल हो गए थे। इन हादसों का पैटर्न लगभग एक जैसा रहा है, अत्यधिक भीड़, संकरे रास्ते, अफवाहें और प्रशासनिक लापरवाही। भगदड़ हादसों के मामले में हरिद्वार अकेला नहीं है। देश के अन्य धार्मिक स्थलों पर भी इसी तरह की घटनाएं बार–बार होती रही हैं। 2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक स्वयंभू बाबा के सत्संग में भगदड़ मची, जिसमें

121 लोगों की मृत्यु हो गई थी। 2022 में वैष्णो देवी मंदिर में भी नववर्ष के मौके पर भगदड़ मचने से 12 श्रद्धालुओं की जान गई। 2008 में हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में चट्टान खिसकने की अफवाह से भगदड़ मची थी जिसमें 162 लोग मारे गए थे। 2023 में रामनवमी के अवसर पर वहीं एक और भगदड़ हुई, जिसमें 36 श्रद्धालु मरे। इसी महीने मध्य प्रदेश के बागेर धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान टेंट गिरने और दीवार ढहने से दो लोगों की मौत हुई। ये आंकड़े महज संख्याएं नहीं, बल्कि व्यवस्थागत असफलताओं के प्रमाण हैं। प्रश्न यह है कि आखिर ये घटनाएं बार–बार क्यों घट रही हैं? एक कारण तो यह जरूर है कि भीड़ को आयोजन और आयोजन स्थल की सफलता का मापदंड माना जाता है। सरकारें और धार्मिक संस्थाएं जितनी अधिक भीड़ जुटा पाती हैं, उसे उतनी ही बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित करती हैं। श्रद्धालुओं की संख्या को लाखों और करोड़ों में गिनाया जाता है, और यह मान लिया जाता है कि आस्था जितनी व्यापक होगी, उतनी ही मान्यता और चढ़ावा भी मिलेगा, परंतु इस मानसिकता में यह भूल जाती है कि किसी भी स्थल की एक सीमा होती है, जिसे कैरीइंग कैपेसिटी कहा जाता है। कैरीइंग कैपेसिटी का अर्थ है किसी स्थल की वह अधिकतम सीमा जहां तक वह पर्यावरणीय, भौगोलिक और संरचनात्मक रूप से भीड़ को सुरक्षित रूप से संभाल सकती है। मनसा देवी मंदिर जैसे स्थलों पर यह सीमा सीमित होती है, सीढ़ियां संकरी हैं, रेलिंग पुरानी हैं, और ऊपर–नीचे आने–जाने का मार्ग एक ही है। ऐसी स्थिति में यदि हजारों की संख्या में लोग एक साथ एक ही दिशा में बढ़ते हैं और अचानक अफवाह या घबराहट फैलती है, तो भगदड़ अवश्यंभावी हो जाती है। प्रशासनिक दृष्टि से देखा जाए तो भारत में अधिकांश धार्मिक स्थलों पर ऐसी स्पष्ट कैरीइंग कैपेसिटी निर्धारित नहीं की जाती और न ही भीड़ को उसी अनुसार रोका जाता है। जब तक यह वैज्ञानिक आधार पर तय नहीं किया जाएगा कि किस पर्व पर किस स्थल पर कितने लोग एक समय में प्रवेश कर सकते हैं, तब तक सुरक्षा सिर्फ भाग्य पर आधारित होगी।

प्रशासन कई बार दावा करता है कि उसने पर्याप्त इंतजाम किए थे, सीसीटीवी कैमरे लगाए थे, पुलिस बल तैनात किया गया था, रूट प्लान तैयार था, परंतु जब हादसा हो जाता है, तो यही व्यवस्थाएं कागजों में ही सीमित पायी जाती हैं। मनसा देवी मंदिर की घटना में भी यही हुआ।

सिद्धार्थ–जाह्नवी की परम सुंदरी की नई रिलीज डेट का ऐलान

जल्द ही कई नई जोड़ियां फिल्मों में नजर आएंगी। इन्हीं में से एक है सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की जोड़ी, जो फिल्म परम सुंदरी में दिखने वाली है। यह पहले बीती 25 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 से बचने के लिए फिल्म को रिलीज टाल दी गई। हालांकि, ये नहीं बताया कि फिल्म पर्दे पर कब आएगी और अब इसकी नई रिलीज तारीख का ऐलान भी हो गया है।

दिनेश विजान के प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स के बैनर तने बनी यह फिल्म अब 29 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। प्रोडक्शन हाउस की ओर से सोशल मीडिया पर जारी किए गए फिल्म के नए मोशन पोस्टर के साथ–साथ इसकी रिलीज का ऐलान हुआ है। पोस्ट में लिखा है, दिनेश विजान आपके लिए लेकर आ रहे हैं साल की सबसे बड़ी प्रेम कहानी परम सुंदरी। यह 29 अगस्त को सिनेमाघरों में आ रही है। परम सुंदरी का टीजर मई में आया था। इसमें सिद्धार्थ को उत्तर भारत के लड़के परम और जान्हवी को साउथ की लड़की सुंदरी के रूप में दिखाया गया था। टीजर में सोनू निगम की आवाज में गाने की कुछ लाइनें भी सुनने को मिली थीं। इस टीजर को काफी पसंद किया गया था। इसके सामने आने के बाद फैंस फिल्म के लिए उत्साहित हो उठे थे। हालांकि, अभी इसके पर्दे पर आने के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। परम सुंदरी का निर्माण दिनेश विजान कर रहे हैं, जो स्त्री 2 और छावा जैसी फिल्मों से पहले ही खूब धमाल मचा चुके हैं।

सैयारा बनी सबसे कमाऊलव स्टोरी फिल्म, लिस्ट में शाहरुख–शाहिद समेत सबकी फिल्मों को पछाड़ा

सैयारा ने अपनी रिलीज के 12 दिन पूरे कर लिए हैं. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. अहान पांडे और अनीत पड्डा की इस लव स्टोरी फिल्म ने नौजवानों पर अलग ही जादू कर दिया है,. जिसे देखो वो सैयारा बनकर घूम रहा है. चारों तरफ बस सैयारा की ही चर्चा हो रही है. फिल्म की हाइप बढ़ने से इसकी कमाई में भी बढ़ोतरी हो रही है. यशराज बैनर तले बनी फिल्म ने अब बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है. मोहित सूरी के डायरेक्शन में बनी फिल्म सैयारा हिंदी सिनेमा की पहली ऐसी लव–स्टोरी फिल्म बन गई है, जिसने अब तक सबसे ज्यादा कलेक्शन किया है. बात करेंगे उन हिंदी सिनेमा में बनी उन हाईएस्ट ग्रॉसिंग लव स्टोरी फिल्में की जिनकी कमाई का रिकॉर्ड सैयारा ने ढेर कर दिया है. फिल्म मेकर्स ने सैयारा की कमाई की ऑफिशियल आंकड़ा जारी किया है. फिल्म की कमाई की बात करें तो इसमें वर्ल्डवाइड 404 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है. भारत में फिल्म का कलेक्शन 318 करोड़ रुपये का ग्रॉस और 260.25 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर लिया है.

प्रकाश राज और डार्लिंग कृष्णा की फिल्म फादर का फर्स्ट लुक रिलीज

प्रकाश राज और डार्लिंग कृष्णा की आगामी पैन इंडिया फिल्म फादर का फर्स्ट लुक पोस्टर लॉन्च कर दिया गया है. इस मौके को खास बनाने के लिए इसे लीड एक्टर डार्लिंग कृष्णा के जन्मदिन पर रिलीज किया गया. फिल्म को प्रेजेंट कर रहे हैं आनंद पंडित और इसे प्रोड्यूस किया है आर चंद्रु ने. फिल्म का निर्देशन राजा मोहन कर रहे हैं. फर्स्ट लुक पोस्टर में डार्लिंग कृष्णा और प्रकाश राज एक स्कूटर पर बैठे नजर आ रहे हैं. यह विजुअल पहले ही दर्शकों के मन में एक भावनात्मक कहानी की झलक दे देता है. पोस्टर में दिख रहा है कि फिल्म एक बाप–बेटे की इमोशनल जर्नी पर आधारित हो सकती है,

बीच मैदान पर जो रूट से भिड़ गए प्रसिद्ध कृष्णा, आंखों में नजर आए अंगारे

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम अपने घर में भारत पर हावी होने की हर संभव कोशिश कर रही है। इसके लिए उसे अगर स्लेजिंग से लेकर आक्रामक तेवर दिखा भारतीय खिलाड़ियों को डराने का हथकंडा भी अपनाने पड़े तो पीछे नहीं हट रही है। द ओवल में खेले जा रहे निर्णायक टेस्ट मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड के जो रूट ने इसकी एक और बानगी पेश की है। रूट और भारतीय टीम के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की बीच मैदान पर बहस हो गई। भारत ने पहली पारी में 224 रन बनाए हैं और इंग्लैंड की कोशिश इस स्कोर को पीछे करने मजबूत बढ़त हासिल करने की है। इसके लिए जरूरी है कि जो रूट विकेट पर टिके रहें और एक बड़ी पारी खेलें। वहीं भारत की कोशिश रूट को जल्दी आउट कर इंग्लैंड को कमजोर करने की है।

लड़ बैठे प्रसिद्ध और रूट

इंग्लैंड की पारी का 22वां ओवर प्रसिद्ध कृष्णा फेंक रहे थे। ओवर की पांचवीं गेंद कृष्णा ने फेंकी जिस पर रूट चूक गए। तब कृष्णा ने रूट से हल्के लहजे में कुछ कहा। इसके अगली ही गेंद पर रूट ने थर्डमैन की दिशा में चौका मार दिया और फिर वह कृष्णा पर जमकर बरस पड़े। रूट जिस लहजे में बात कर रहे और जिस गुस्से में थे ये उनकी आंखों और चेहरे से साफ देखा जा सकता था। इस बीच अंपायर भी रूट का साथ देते नजर आए और कृष्णा को रोकते हुए नजर आए। उनकी नजरों से रूट बचने में सफल रहे। अंपायर जब कृष्णा से बात कर रहे थे तब कप्तान शुभमन गिल और सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल भारतीय गेंदबाज के साथ में थे।

कृष्णा की वापसी

प्रसिद्ध कृष्णा को टीम इंडिया ने इस सीरीज के शुरुआती दो मैचों में मौका दिया था। हालांकि, वह ज्यादा प्रभावित नहीं कर पाए थे। लीड्स में तो फिर भी उनके हिस्से पांच विकेट आए थे, लेकिन दूसरे मैच में वह एक ही विकेट ले पाए थे। कृष्णा काफी महंगे भी साबित हुए थे और इसी कारण ड्रॉप कर दिए गए थे।

जिम्बाब्वे के खिलाड़ी ने बना दिया अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सीन विलियम्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे टेस्ट मैच में एक अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। दूसरी पारी में शुरुआत करते ही इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में बिना शून्य पर आउट हुए सबसे ज्यादा पारियां खेलने का ऑस्ट्रेलिया के जिम बर्क का 66 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

सीन विलियम्स अब खेल के सबसे लंबे प्रारूप में बिना शून्य पर आउट हुए सबसे ज्यादा पारियों में बल्लेबाजी करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। अपने करियर के 23 टेस्ट मैच में विलियम्स एक भी पारी में शून्य पर आउट नहीं हुए हैं। इस दौरान वह लगभग 48 की औसत से 1900 से ज्यादा रन बना चुके हैं।

ऐसा भी करने बने पहले बल्लेबाज

विलियम्स इस मामले में भी नंबर बन गए हैं। वह बिना शून्य आउट होने वाले खिलाड़ियों की इस सूची में किसी भी खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा हैं। भारत के लिए यह रिकॉर्ड बृजेश पटेल के नाम है। वे अपने टेस्ट करियर की 38 पारियों में कभी शून्य पर आउट नहीं हुए। उन्होंने 29.45 की औसत से एक शतक और पांच अर्धशतकों के साथ 972 रन बनाए।

टेस्ट करियर में बिना शून्य पर आउट होने वाले सबसे ज्यादा पारी खेलने वाले खिलाड़ी

सीन विलियम्स (जिम्बाब्वे)– 46 पारी

जिम बर्क (ऑस्ट्रेलिया)– 44 पारी

रेग्गी डफ (ऑस्ट्रेलिया)– 40 पारी

बृजेश पटेल (भारत)– 38 पारी

रॉबर्ट क्रिस्टीनी (वेस्टइंडीज)– 37 पारी

शुभमन गिल के पीछे

बता दें कि जिम्बाब्वे ने इस साल काफी टेस्ट मैच खेले हैं और सीन विलियम्स का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। फिलहाल, वह 2025 में टेस्ट मैचों में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वह सिर्फ भारतीय कप्तान शुभमन गिल से पीछे हैं। विलियम्स इस साल सात टेस्ट मैचों में 50.25 की औसत से 600 रन का आंकड़ा पार कर चुके हैं, जिसमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं।

युवा प्रत्याशियों पर जताया भरोसा, गांव की तस्वीर बदलने का आश्वासन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : त्रिस्तरीय युवाओं के परिणामों ने हर किसी को चौंका दिया है। इस बार चुनाव में मतदाताओं ने अधिकांश युवाओं पर भरोसा जताया है। युवाओं ने भी मतदाताओं को गांव की तस्वीर बदलने का अश्वासन दिया। ऐसे में अब विजयी युवा कितना काम करते हैं यह भविष्य ही बताएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में युवा जनप्रतिनिधियों के चुने जाने से जवाबदेह और गुणवत्तापरक राजनीति की उम्मीदें बढ़ गई हैं। ग्रामीणों को भरोसा है कि युवा प्रधान, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत सदस्य आधुनिक सोच के साथ गांवों के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे और गांवों को नए दौर के साथ कदमताल कराएंगे।

कीर्तिनगर विकासखंड के मढ़ी चौरास क्षेत्र से पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गढ़वाल विवि कीर्ति नेगी की पत्नी भावना नेगी ने क्षेत्र पंचायत सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं, मलेथा गांव के ग्रामीणों ने प्रधान पद पर रश्मि रावत और क्षेत्र पंचायत सीट पर संजय लाल पर भरोसा जताया। गवाना गांव से सुरेश चौहान प्रधान निर्वाचित हुए, जबकि क्षेत्र पंचायत मंजाकोट से अंजली ने जीत हासिल की।

वहीं, कीर्तिनगर ब्लाक के 20 ग्राम प्रधान निर्विरोध पहले ही चुने जा चुके थे। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में नई पीढ़ी की एंट्री से पारदर्शिता और विकास की रफ्तार तेज होने की उम्मीद है।

नैनीडांडा विकासखंड से ग्राम प्रधान पद का परिणाम

ग्राम सभा	प्रधान
अदवाड़ा	श्याम सिंह
अंदरौली	दिव्या बिष्ट
अपोला	संगीता रावत
उटिंडा	मनोज सिंह रावत
उम्टा	रविंद्र सिंह
फलटंडा	मनोज कुमार
कमन्दा	मीनाक्षी रावत
कमेडा तल्ला	संजय सिंह
कसाना	जगमोहन सिंह
कसाना बिचला	यशपाल सिंह
किनाथ	पूरवा देवी
किनाथी	विमला देवी
कोचियार	उमा देवी
कोला तल्जा	प्रेम सिंह
कोला	मल्ला मीना
क्याकी	पिंकी देवी
खिरैरी	जसवंत सिंह रावत
खुटिण्डा बिचला	बीना देवी
गौलाम	कविता देवी
चमाडा	पूजा देवी
चामसैंण	प्रदीप कुमार
चिनवाडी	सुशीला देवी
चिलाउं	मंजू देवी
चुलसिया	आशीष ध्यानी
चैड मजखोला	प्रीती देवी
चैवाडा	शशि कुमार
चोरगढ़	मेघा देवी
जगदेई	शोभा देवी
जोगेडा	सरिता देवी
झुडंगू	ज्योति देवी
टण्डोली	पूनम गुसाईं
टांडियू	अनूप सिंह बिष्ट
डडवाडी	महिपाल
डंडधार	रजनी देवी
ढंगलगांव	कोमल देवी
तिमलाखोली	निर्मला देवी
दिगोली	गुड्डी देवी
देवताखेत	साधो सिंह
देवलाड	भारती देवी
नलाई पल्ली	मनवर सिंह
नलाई मल्ली	हरेन्द्र सिंह
नारद मोक्षण	सतीश चंद्र
नाला बचे	सिंह रावत
नैखाणा	भोपाल सिंह
नौनियाखेत	रोशन लाल
पडसोली	शोभा नेगी
पतगांव	सूरज सिंह
पटोटिया	संजना देवी
पलासी	गीता देवी
पंजारा बड़ा	सुरेंद्र दत्त
पीपली	अंजू देवी
पुनोडी	शकुंतला देवी
फुलटण्डा	किशन सिंह
बखरोटी	अनिल कुमार
बडेथ	भगत सिंह
बराथ मल्ला	विजयपाल सिंह
बवाणी	वीरेन्द्र सिंह
बाडागाड	हिमांशु रावत
बिरखेत	भुवनेश्वरी देवी
बिलकोट	रेनू देवी
बैडहाट बडा	चंद्रपाल सिंह
भूपाटी	विमला देवी
भौन	किरन देवी
मजेडा तल्ला	पुष्पा देवी
मैन्दोली	अजय मोहन सिंह
मैरा	सरोजनी देवी
मोक्षण बड़ा	भारत सिंह बिष्ट
रिंगल्टा तल्ला	जितेन्द्र सिंह
रिंगल्टी	मीना देवी
रैंदेडी बड़ी	कुलवीर सिंह रावत
लूठिया	सुरेंद्र सिंह
सिंगलिया वल्ला	यशोदा देवी
संगलिया विचला	नरेन्द्र सिंह
सन्दणा	प्रियंका
सिमली मल्ली	सत्येंद्र सिंह
सुन्दोला बाखला	प्रीति देवी

दुगड्डा ब्लॉक के प्रधान

आमसौड़ अनुसूचित जाति (एससी) रेशमा
उमथगांव महिला पूनम शाह
उमरैला महिला संगीता देवी
उर्तिच्छा महिला रीना देवी
कठुड़ छोटा अनारक्षित नवीन कुमार
कठुड बडा महिला ज्योति देवी
काटल अनारक्षित सावित्री देवी
काण्डई महिला मंजू देवी
केष्टा महिला संतोषी देवी
कोलीगांव अनुसूचित जाति (एससी) महिला संध्या देवी
खोलकण्डी महिला मधुबाला
गोलामल्ला महिला रश्मि देवी
ग्वीराला अनारक्षित हर्षवर्धन सिंह
घोटातल्ला अनारक्षित संतोषी नेगी
चर अन्य पिछड़ा वर्ग महिला शाहजिदा बेगम
चरेख महिला लीला देवी
चूना महेडा अनारक्षित राजेश मोहन
चौण्डली अन्य पिछड़ा वर्ग मोहमद नदीम
जमरगडडी तल्ली महिला कान्ती देवी
जयगांव अनारक्षित सुमन बिष्ट
जुवा अनारक्षित जीतेन्द्र सिंह जुवा दुगड्डा
जुगरसैण अनारक्षित अरविन्द कुमार
जुडडारौडियाल अन्य पिछड़ा वर्ग महिला मुबीना बेगम
जौरासी तल्ली अनारक्षित चंडी प्रसाद
झटरी अनुसूचित जाति (एससी) आकाश सिंह
तच्छली महिला रेखा रावत
दर्था अनारक्षित रिंकी नेगी
दिउला महिला अनीता देवी
देवलखाल अन्य पिछड़ा वर्ग वारिस अहमद
धूराताल अनारक्षित सरदार सिंह
धूराधनाई अनारक्षित मनोज सिंह
धूराभरपूर अनारक्षित रमेश भट्ट
नाली बडी महिला अनीता देवी
नौगांव तल्ला अन्य पिछड़ा वर्ग महिला रेशमा बेगम
पठुडअकरा महिला मंजु देवी
पुरानकोट अनारक्षित गफारुरदीन
पुलिण्डा अनारक्षित दीपक सिंह
फतेहपुर महिला रीना देवी
फरसूला अनारक्षित प्रभा देवी
बागी छोटी अनुसूचित जाति (एससी) गिरीश चंद्
बागी बडी महिला रजनी नेगी बागी बड़ी
बादकोट अनारक्षित राजेश काला
बिजनूर महिला हिमानी बिजनूर दुगड्डा
बोरगांव अनारक्षित गबर सिंह
भदालीखाल अनुसूचित जाति (एससी) महिला रीना
भेडगांव अन्य पिछड़ा वर्ग महिला सानिया
भेल्डाबडा अनुसूचित जाति (एससी) कुलदीप सिंह
मज्याडी अनारक्षित दिनेश मज्याड़ी दुगड्डा
मथाणा महिला दीपिका मथाना
मानकोट महिला प्रतिभा देवी
मुरान्यू महिला रेखा रावत
मोहरा महिला सरिता देवी
मोहनी रावत अनारक्षित महावीर मोहनी रावत
रामणी महिला बबली देवी
लखवाड अनारक्षित अजय कुमार
लदोखी अन्य पिछड़ा वर्ग ताहिर अली
वल्ली अनुसूचित जाति (एससी) महिला रजनी देवी
सकन्याणी अनारक्षित विनोद सिंह रावत
सरडा सकाली महिला नेहा
सरडा हनुमन्ती महिला पुष्पा देवी
सिमलचौड महिला रजनी देवी
सिमलना बिचला अनारक्षित प्रीतपाल सिंह
सिमलना मल्ला अनारक्षित राजेंद्र सिंह
सीला महिला किरन देवी सिला दुगड्डा
सौड अन्य पिछड़ा वर्ग मोहम्मद उस्मान सौड
स्यालनी महिला शीला देवी स्यालनी 156
हर्षू अनुसूचित जाति (एससी) महिला ज्योति

विकासखंड एकेश्वर के ग्राम प्रधान

ग्रामसभा	प्रधान
ईडा मल्ला	रीना देवी
कठुली	सरोजनी देवी
कुरख्याल	दीपा
गिवांली	यशोदा देवी
चौमासू धार	कुसुम देवी
जैंतोली मल्ली	हेमंती
डांडा मल्ला	वीरेन्द्र कुमार
डोबल	नैंसी
डियूल्ड	कुलदीप पंत
नौगांव पाथर	हेमलता देवी
पाखरी	लक्ष्मी देवी
बग्याली	महिपाल सिंह
बछेली	रंजना देवी
बंठोली	मनोज सिंह
बौसाल मल्ला	मीनाक्षी देवी
मरडा	लक्ष्मी देवी
मलेठी	इंदू देवी
मौंदाड़ी	सीमा देवी
रेडू	विजय सिंह
सालकोट	पंकज कुमार
सिमार	काजल

द्वारीखाल विकासखंड से ग्राम प्रधान

ग्रामसभा	प्रधान
अमाल्डू	मोहन सिंह बिष्ट
उडियारी	हर्षदेव नैथानी
उतिण्डा	शिवानी देवी
ओडल बड़ा	अंबिका डोबरियाल
कलोडी	हेमलता देवी
कांडा	सीमा देवी
कोटलमण्डा	रचना देवी
खजरी	पदमेंद्र सिंह
खडेती	प्रमीत सिंह
खेड़ा	हनुमान सिंह रावत
खैंडूडी	कविता देवी
गहड़	भगवती देवी
गूम (लंगूर)	रुचि देवी
ग्वीनबड़ा	रश्मि देवी
गहली	प्रसन्ना डबराल
चमोलीगांव	मातवर सिंह
छाम	नरेन्द्र सिंह
जमेली	मनमोहन सिंह
जवाड	योगेश कुमार
डबोली	अंकुश डबराल
डाबर	सुरेश चन्द्र
ढौंरी	पूजा
तिमली	दिलबर सिंह
तोली	सीमा देवी
दिउसा	देवेश्वरी देवी
दिखेत	हेमलता देवी
धारी	अनीता देवी
पाटुली	यतेंद्र सिंह
पुल्यासू	विमला देवी
बगरडडी	विकास चंद्र
बडेथ लग्गा	सुषमा देवी
बनाली	गणेश प्रसाद
बमोली	सपना देवी
बन्दिला	चंद्र मोहन
बरसूड़ी	संदीप सिंह
बिरमोली	अनीता देवी
बौंठा	आरती देवी
भयांसू	सुनीता देवी
भलगांव द्वारी	विमला देवी
भैड़गांव	वैशाली
महरगांव	अमित सिंह
मलेथा	सुनीता देवी
राजखिल	दीप्ति देवी
रिंगवाड़	तीरथ सिंह
लोषण	जगमोहन देवरानी
लंगूरी	मानसी देवी
सिमल्या	अर्चना
सिंराई	आरती
सीला–बांघाट	पूर्ण चंद्र
सुंडल	किशोरी लाल
सैंज मल्ला	रवींद्र सिंह
हथनूड (लंगूर)	मोहम्मद सादिक

जयहरीखाल विकासखंड में ग्राम प्रधान

ग्रामसभा	प्रधान
अमकटला	गजेन्द्र सिंह
असनखेत	प्रविन्ता देवी
ओडल	रेखा देवी
कन्दोली	अन्जू देवी
किमार	जितेन्द्र सिंह
कोटा मल्ला	अंकुश जुयाल
खुवाणी	अर्जुन कुमार
गजवाड	दिग्विजय सिंह
गुडेथा	रजनी देवी
गुनियाल	सुनील सिंह
घांघली	लक्ष्मी देवी
घेटुलगांव	रेखा देवी
चाई	अशोक कुमार
चिणवौ	हर्षवर्धन ध्यानी
चौड़	अन्जू देवी
जडियाना	ममता देवी
जदला	रूबी
जयहरी	प्रगति रावत
जलेथा	ममता देवी
डाबरी	विजय सिंह नेगी
ढकसुण	सरोजनी देवी
देवडाली	रोहित बिष्ट
तोली	अजय कुमार
धौड़ा पल्ला	भूमा देवी
नेग्याणा	मनोज कुमार
नौगांव	कविता देवी
पडेरगांव	कलावती खंतवाल
पाली तल्ली	प्रीति देवी
पीड़ा	बलवीर सिंह
पुण्डेरगांव	अंकुश
पैनलगांव	प्रीति देवी
बडगांव	अनीता देवी
बरस्वार	दिनेश चन्द्र
बाडियूं	रामी देवी
बांसी	रेखा देवी
बुद्धगांव	सरिता देवी
बेबडी	कुशाल सिंह
बौंठा	विनय कुमार
मठाली	उर्मिला देवी
मंझोला	प्रवीन कुमार
मेरूडा	सुनीता देवी
मैंदोली मल्ली	अखिलेश
रेडा	देवेंद्र सिंह
सकमुण्डा	अनीता देवी
सारी तल्ली	विपिन
सारी मल्ली	शरद कुमार
सिलवाड	आशा देवी
सुकोली	तल्ली कविता
सुरमाडी तल्ली	सपना देवी
सैंधी	निर्मला देवी

दुगड्डा ब्लॉक से जीते क्षेत्र पंचायत सदस्य

क्षेत्र	क्षेत्र पंचायत सदस्य	
आमसौड	(एससी) महिला	अंजू देवी
स्यालनी अनारक्षित		अनीता देवी
पठुड अकरा	महिला	आरती काला
रामणी	महिला	कल्पना देवी
बागीबड़ी	महिला	किरन
बल्ली	अनारक्षित	जयपाल सिंह
हर्षू	अनारक्षित	टेकसिंह
मोहरा	अनारक्षित	दमयंती देवी
उमरैला	अनारक्षित	देवेंद्र सिंह
जौरासी	महिला	निशा
खोलकण्डी	महिला	पुष्पा देवी
भानकोट	अनारक्षित	बृजमोहन सिंह
सीला	महिला	ममता देवी
चर अन्य पिछड़ा वर्ग महिला		मुबीना बेगमा
भैडगांव अन्य पिछड़ा वर्ग		मोहम्मद इरफान
भेल्डाबडा	महिला	रूचि कैंतुरा
काण्डई	अनारक्षित	सुनील सिंह
झटरी अनुसूचित जाति (एससी)		सुरेंद्र सिंह
फतेहपुर	अनारक्षित	सूरज सिंह

द्वारीखाल के क्षेत्र पंचायत सदस्य

ग्वीन बडा महिला पुष्पा
कुल्हाड अनुसूचित जाति (एससी) महिला शोभा देवी

चमोली गांव	अनारक्षित	यशपाल सिंह
भलगांव द्वा0	अनारक्षित	वीरेन्द्र सिंह
पुल्यासू	महिला	मनीषा
हतनूड ढा0	अनारक्षित	रोबिन सिंह
किनसूर (बागी)	अनुसूचित जाति (एससी) महिला	प्रतिभा देवी
अमोला	अनारक्षित	रणवीर सिंह
चांदपुर	अनुसूचित जाति (एससी)	रोहित कुमार
कठूडबडा	महिला	उषा बडोला
कर्थी	अनारक्षित	सुमित सिल्सवाल
कोठार	महिला	पूजा देवी नैल
गहेली	अनारक्षित	जितेन्द्र सिंह
बमोली	महिला	कौशल्या देवी
ढौंरी	अनारक्षित	राजन
कण्डाखणी जुयालगांव	अनारक्षित	कुलदीप सिंह
क्यार पाली	अनारक्षित	अजय बलूनी
सुराडी	महिला	कादम्बरी देवी
सिमल्या डब0	अनुसूचित जाति (एससी)	हरी दास
चाम दिउसा	अनारक्षित	बीना राणा
लोषण (भंयासू)	महिला	कनिका
सिमल्या ल0 कफल्डी	अनारक्षित	चंद्रमोहन जमेंली
खडेती (गूम)	महिला	कुसुम देवी
भलगांव (बौठा)	अन्य पिछड़ा वर्ग महिला	लतीफन बेगम
बिरमोली (पल्ला)	महिला	सुमति देवी
बडेथ ल0	महिला	नीलम देवी

जयहरीखाल के क्षेत्र पंचायत

टसीला	अनारक्षित	विनोद कुमार
बवीना	अनारक्षित	ललित मोहन
कोटा त0	अनारक्षित	नूतन नेगी
बन्दूण	महिला	प्रीति खंतवाल
गवाणा व0	अनारक्षित	रणवीर सिंह
किमार	अनुसूचित जाति (एससी) महिला	सुनीता देवी
खैरा	अनारक्षित	गणेश सिंह
कफल्डी	महिला	मीनाक्षी देवी
चमेठा	अनारक्षित	विक्रांत कुमार
कोटाखाल	महिला	पूनम देवी
सकमुण्डा	महिला	मीना देवी
सारी मल्ली	अनुसूचित जाति (एससी) महिला	प्रार्थना रानी
बासी	महिला	अन्जू देवी
जड़ियाना	अनुसूचित जाति (एससी)	सूरज
ढकसुण	महिला	शान्ति गुसाईं
पडेरगांव	महिला	सपना द्विवेदी
घाघली	अनारक्षित	पवन
सुकोली त0	अनुसूचित जाति (एससी)	संजय कुमार
बडगांव	अनारक्षित	सुरेन्द्र सिंह

पौड़ी जिले के जिला पंचायत सदस्य

ग्वाड़	अनारक्षित	चैत सिंह
सिंगोरी	अनारक्षित	चंद्रभानु
कठुड	अनुसूचित जाति (एससी) महिला	आराधना देवी
धौलकण्डी	अनारक्षित	रचना
डोभ श्रीकोट	अनुसूचित जाति (एससी)	अनुज कुमार
ल्वाली	अनुसूचित जाति (एससी)	जगदीश चन्द्र
थैर	अनुसूचित जाति (एससी) महिला	कमला देवी
गढकोट	अनुसूचित जाति (एससी) महिला	सविता देवी
कुल्हाड	अनारक्षित	महेंद्र सिंह
सुराडी	अनारक्षित	अर्जुन सिंह
भादसी	महिला	गीता देवी
उमरोली	अनारक्षित	बचन सिंह
गुमाल गांव	महिला	कविता डबराल
सीला	अन्य पिछड़ा वर्ग महिला	सिमा देवी
पठुड अकरा	महिला	प्रमीला देवी बलूनी
टसीला	महिला	पूनम देवी
जयहरी	महिला	ज्योति
सुलमोडी	अनुसूचित जाति (एससी)	अरुण कुमार
कर्तिया	अनुसूचित जाति (एससी) महिला	पल्लवी देवी
अन्दरोली	अनारक्षित	नीलम कुमार
बिलकोट	अनारक्षित	राहुल सिंह
सीली मल्ली	महिला	शांती देवी
बमराडी	अनारक्षित	रजनी रावत
बाडाडांण्डा	अनारक्षित	अनूप
नौडी	महिला	सीमा देवी
बडेथ	अनारक्षित	बुद्धि सिंह
टीला	अनारक्षित	शिवचरण नौडियाल
ब्यासी	महिला	वंदना देवी
जोशी	मंसारी	बुंगीधार
गडरी	महिला	पूनम देवी
पोखडा	अनारक्षित	बलवंत सिंह
कोटा	महिला	दीपिका ईष्टवाल
चैधार	महिला	आरती
कलुण	अनारक्षित	भरत सिह
कालौं	अनारक्षित	कर्मवीर सिह
खण्डूली	महिला	राजेश्वरी देवी ग्राम कुल्याणी पाबौ

अंतिम क्षण तक जीत की उम्मीद, कई प्रत्याशियों को मात्र एक वोट से मिली मात

द्वारीखाल ब्लॉक में परिणाम जानने के लिए खड़े प्रत्याशी व उनके समर्थक

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कई प्रत्याशी मात्र एक वोट से जीते

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पर्वतीय क्षेत्रों में पंचायत चुनाव के परिणाम को प्रत्याशियों व उनके समर्थकों में उत्साह बना हुआ था। देर शाम तक प्रत्याशी व उनके समर्थक परिणाम जानने को लेकर उत्साहित थे। कई ऐसे प्रत्याशी भी थे जो मात्र एक वोट से हार गए।

विकासखंड एकेश्वर की ग्राम पंचायत गुराड़ में प्रधान पद पर सनील सिंह ने 9 मतों से जीत मिली। उन्हें 79 मत मिले। जबकि प्रतिद्वंदी को 70 मत हासिल हुए। पांथर ग्राम पंचायत से लता देवी महज 1 वोट से जीतीं, उन्हें 60 मत मिले। नौगांव पांथर से हेमलता 11 वोटों से जीतकर ग्राम प्रधान बनीं। धरासू ग्राम प्रधान सीट से वंदना देवी महज 9 वोट से जीत दर्ज करने में सफल रही उन्हें 134 वोट मिले। बस्यूर ग्राम प्रधान सीट पर अर्चना देवी महज 3 मतों के अंतर से ग्राम प्रधान बनी। ग्राम पंचायत मलेथा से नवीन कुमार 2 वोटों से जीते। रेसोली मल्ली से अनिल रावत 5 मतों से विजयी हुए। कल्जीखाल ब्लाक की गढ़कोट ग्राम प्रधान सीट से संगीता देवी महज 5 वोटों से जीती। साकनीबड़ी ग्राम पंचायत सीट से अर्चना देवी ने 8 वोटो के अंतर से चुनाव जीता। पाबौ ब्लाक की ग्राम पंचायत गिठाली सीट पर प्रह्लाद सिंह ने 9 वोटों से जीत हासिल की।

पाबौ ब्लाक की ग्राम पंचायत कलूंण सीट पर अशोक कुमार 5 वोटों के अंतर से ग्राम प्रधान चुने गए। कंडेरी में ग्राम प्रधान पद पर भजन सिंह को 9 वोटों से जीत मिली। छानी सीट पर ग्राम प्रधान अंजनी देवी 5 वोटों से जीती। मातोली पर जसपाल सिंह 7 वोटों से जीते।

पौड़ी ब्लाक की रैदुल ग्राम पंचायत में राजीव सिंह को प्रधान पद पर 1 वोट से जीत मिली। पिसोसी में प्रधान पर शिखा 1 वोट से प्रधान बनीं। ननकोट सीट पर ग्राम प्रधान शिव सिंह 11 वोटों से जीते, भीमली तल्ली में महेंद्र सिंह 6 वोटों के अंतर से विजयी हुए। विकासखंड कोट की ग्राम पंचायत गैंड से विकेंद्र सिंह महज 3 वोट से ग्राम प्रधान चुने गए। इसी ब्लाक की कोट ग्राम पंचायत में सुमन देवी 2 वोटों से जीती। खिर्सू ब्लाक की ग्राम पंचायत जाख से मनीष सिंह 4 वोटों से ग्राम प्रधान बने।

महेन्द्र राणा बनें जिला पंचायत सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : निवर्तमान ब्लाक प्रमुख महेंद्र राणा ने द्वारीखाल ब्लाक की कुल्हाड जिला पंचायत सीट से चुनाव जीता है। पौड़ी जिले की मतगणना में सबसे देर में इसी सीट का परिणाम भी मिल पाया। इस सीट पर सबकी नजरें बनी हुई थी। इस सीट का परिणाम जानने के लिए हर कोई उत्सुक था।

निवर्तमान ब्लाक प्रमुख द्वारीखाल महेंद्र राणा ने जिला पंचायत सदस्य के तौर पर पहली बार चुनाव लड़ा। इससे पूर्व वह बीडीसी सदस्य का चुनाव लड़ चुके हैं और दो बार कल्जीखाल ब्लाक के प्रमुख भी निर्विरोध रह चुके हैं। कुल्हाड़ सीट से ब्लाक प्रमुख महेंद्र राणा को भाजपा ने भी अधिकृत किया हुआ था। महेंद्र ने कड़े मुकाबले में जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीता। वहीं दूसरी ओर उनकी पत्नी एवं निवर्तमान ब्लाक प्रमुख कल्जीखाल बीना राणा लगातार दो बार निर्विरोध बीडीसी सदस्य बनने में सफल रही। पिछली बार बीना राणा कल्जीखाल ब्लाक की असगढ़ सीट से निर्विरोध बीडीसी सदस्य बनी और कल्जीखाल ब्लाक की निवर्तमान ब्लाक प्रमुख है। जबकि इस बार द्वारीखाल ब्लाक की दिउसा सीट से निर्विरोध बीडीसी सदस्य निर्वाचित हुई है। बीना राणा इस बार द्वारीखाल प्रमुख की भी दावेदार है।

बीडीसी सीट पर कर्म सिंह 9 वोटों से जीते

नई टिहरी : दशोली क्षेत्र पंचायत सीट पर सही परिणाम जानने को लेकर देर रात तक दो बार पुनर्मतगणना की गई। अनारक्षित दशोली सीट पर चार प्रत्याशी मैदान में थे। यहां पहली मतगणना में कर्म सिंह 249 मत लेकर विजयी घोषित किए थे। दूसरे स्थान पर रहे दिनेश सेमवाल ने परिणाम पर आपत्ति करते दोबारा मतगणना करवाई। जिसमें तीसरे स्थान पर रहे नरेश डंगवाल के दोनों से अधिक 253 निकले। उनको जीत का प्रमाण पत्र दिया ही जा रहा था कि पहले विजयी घोषित हुए कर्म सिंह ने आपत्ति की। जिस पर आरओ डीआर बेलवाल ने तीसरी बार मतगणना करवाई। जिसमें सबसे अधिक मत लेकर पुनः कर्म सिंह 9 मतों से विजयी रहे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए **(एकल पैकेट प्रणाली)** के अन्तर्गत खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैः–

1	ई–निविदा एनआईटी सं.	17–विद्युत/नि./टी.आर.डी./एम.बी./139–सी
2	कार्य का नाम व स्थान	मुरादाबाद मण्डल के रोजा–सीतापुर सिटी खण्ड में रोजा में क्रास ओवर शिफिटंग, लखनऊ–मुरादाबाद खण्ड में पीताम्बरपुर के कि.मी. 1288 /17–19 पर गेट सं.–352 सी के बदले आरओबी, सीतापुर के कि.मी. 78/130.201 पर गेट सं.–51 स्पेशल के बदले आरओबी, रोजा–सीतापुर सिटी खण्ड में डाउन मैन लाईन के कि.मी. 14/305.923 पर ब्रिज सं. 13 एवं सेक्शनिगं पोस्ट सीतापुर सिटी के विद्युतीकरण हेतु 25 हजार वोल्ट सिंगल फेज ओ.एच.ई. की डिजाइन, सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग व कमीशनिंग का कार्य।
3	कार्य पूरा करने की अवधि	12 (बारह) माह
4	कार्य की अनुमानित लागत	रुपए 1,87,73,215.60
5	बयाना राशि जो जमा की जानी है (निविदा दस्तावेज के खण्ड 3.0 के अनुसार)	रुपए 2,43,900/–
6	ई–निविदा जमा करने एवं ई–निविदा खुलने की तिथि व समय	निविदा दिनांक 22.08.2025 समय 11:30 बजे तक आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर सकते हैं। निविदाकर्ता ई–निविदा में भाग ले सकते हैं। निविदा दिनांक 22.08.2025 समय 11:30 बजे खोली जाएगी।
7	निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र की जानकारी	विस्तृत ई–निविदा एवं निविदा प्रपत्र आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा प्रपत्र आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर दिनांक 08.08.2025 से दिनांक 22.08.2025 तक जमा करने के लिए उपलब्ध रहेगा। निविदाकर्ता जो ई–निविदा में भाग लेने को इच्छुक है उनको सलाह दी जाती है कि उपरोक्त वेबसाइट पर अपना ई–पंजीकरण करा ले जिसके लिए उन्हें क्लास III डिजीटल प्रमाणपत्र की आवश्यकता होगी (यदि पहले से उपलब्ध नहीं है), जो आई टी नियम–2000 के अन्तर्गत सीसीए द्वारा जारी की जाएगी। उपरोक्त निविदा के अन्य सभी नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में दिये गये हैं। केवल ई–निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी तथा किसी अन्य रूप में प्रस्तुत निविदाएं तुरन्त अस्वीकार कर दी जाएंगी।

प्रपत्र सं: 17–विद्युत/नि./टी.आर.डी./एम.बी./139–सी दिनांक: 01.08.2025 2347/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी0एस0टी0, ई0पी0एफ0 व ई0एस0आई0 में पंजीकृत) ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 19.08.2025 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में विद्युत वितरण खण्ड– नैनीडांडा के कार्यालय से दिनांक 18.08.2025 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड– नैनीडांडा के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी सहित)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
01/2025–26	रू0 590/–	वि0वि0 उपखण्ड – स्यूँसी के अन्तर्गत नये संयोजन निर्गत किये जाने हेतु लाइन, उपसंस्थान निर्माण/क्षमता वृद्धि व अन्य कार्य।	24000.00
02/2025–26	रू0 295/–	वि0वि0 उपखण्ड– रिखणीखाल के अन्तर्गत नये संयोजन निर्गत किये जाने हेतु लाइन, उपसंस्थान निर्माण/क्षमता वृद्धि व अन्य कार्य।	20000.00
03/2025–26	रू0 590/–	वि0वि0 उपखण्ड – थलीसैंण के अन्तर्गत नये संयोजन निर्गत किये जाने हेतु लाइन, उपसंस्थान निर्माण/क्षमता वृद्धि व अन्य कार्य।	21000.00
04/2025–26	रू0 590/–	वि0वि0 उपखण्ड– स्यूँसी के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त परिवर्तक बदलने का कार्य।	24000.00
05/2025–26	रू0 295/–	वि0वि0 उपखण्ड – रिखणीखाल के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त परिवर्तक बदलने का कार्य।	17000.00
06/2025–26	रू0 590/–	वि0वि0 उपखण्ड थलीसैंण के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त परिवर्तक बदलने का कार्य।	18000.00

पत्रांक : 380/वि0वि0ख0(नै0)/उपाकालि/टी–6
दिनांक : 01.08.2025

अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

संक्षिप्त समाचार

पुल की मरम्मत को 45 दिन बंद रहेगी आवाजाही

नई टिहरी। मूलगढ़ कोटी अखोड़ी मोटर मार्ग पर लैणी गाड़ में स्थित मोटर पुल जर्जर स्थिति में है। जिसकी मरम्मत के लिए 45 दिन तक पुल पर आवागमन अस्थाई रूप से बंद रहेगा। लोनिवि घनसाली के अधिशासी अभियंता दिनेश नौटियाल द्वारा बताया गया कि खण्ड के अन्तर्गत घनसाली–कोटी–अखोड़ी मोटर मार्ग के किमी 43 में लैणी गाड़ पर एक 18.40 मीटर स्पान (कुल लम्बाई–20.10 मी) का स्टील गार्डर मोटर पुल निर्मित किया जाना है। पुल वर्ष 1983 में क्लास बी लोडिंग के लिए निर्मित हुआ है। सहायक अभियन्ता नेमार्ग के निरीक्षण के दौरान पाया कि सेतु की डैक स्लैब में एक स्थान पर एक अनियमित आकार का छिद्र पाया गया तथा सेतु की स्लैब के कंक्रीट पैनल में एक लम्बा क्रेक पाया गया है। व्यापक जनहित में सुरक्षा के दृष्टिगत पुल को सभी प्रकार के वाहनों के लिए बन्द किया किया गया है। पुल के नये स्लैब के पुनर्निर्माण में 15 दिन का समय लगेगा। इसके साथ ही वाहनों के आवागमन के लिए 28 दिन का समय कंक्रीट की सामर्थ्य प्राप्त किये जाने के लिए आवश्यक है। इस प्रकार कुल 45 दिन तक पुल को यातायात के लिए बन्द रखा जाएगा। इस दौरान इस मार्ग पर मूलगढ़ से जाने वाले वाहन पहले लैणी गाड़ तक जायेंगे एवं दूसरी ओर से वाहनों को कोटी–अखोडी से आवागमन करना होगा।

देवप्रयाग के बाह बाजार में पेयजल संकट से परेशान लोग

नई टिहरी : देवप्रयाग के पौड़ी जिला स्थित वार्ड चार के बाह बाजार निवासी पेयजल संकट का सामना करने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों ने सांसद अनिल बलूनी को इस बाबत पत्र भेजकर समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है। बाह बाजार निवासियों के अनुसार उन्हें कई दिनों तक पानी नहीं मिल पाता है। जिससे उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। बाह बाजार को दीवानी गाड़ व धनेश्वर गदेरे से जलापूर्ति होती है। पेयजल आपूर्ति स्थल पर कोई फिल्टर व्यवस्था नहीं है। इससे पाइप लाइनों में अक्सर कचरा भर जाता है व पानी पीने योग्य नहीं रहता। हाल ही में पहाड़ी दरकने के कारण बाह बाजार में पानी की टंकी क्षतिग्रस्त हो गई थी। जिससे उसमें पानी नहीं भर रहा है। इस कारण भी पानी की उचित आपूर्ति नहीं हो पा रही है। निवासियों ने सांसद से जल संस्थान को इस संबंध में निर्देशित करने का आग्रह किया है। स्थानीय निवासियों ने सांसद से आग्रह किया है कि बाह बाजार में अलकनन्दा नदी पर एक नई पंपिंग योजना स्वीकृत की जाए, ताकि पेयजल की समस्या को हमेशा के लिए दूर किया जा सके। इस कदम से क्षेत्र से हो रहे पलायन को भी रोका जा सकेगा। ज्ञापन देने वालो सुधीर मिश्रा, राकेश पंचभैया, बबली मिश्रा, हरिओम उनियाल, प्रवीण मिश्रा, राजेश, नवीन शर्मा आदि शामिल रहे। (एजेंसी)

पीटीए की बैठक में दी भविष्य की योजनाओं की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय, बनास पैठाणी की आईक्यूएसी सेल के तत्वावधान में अभिभावक शिक्षक संघ की बैठक का आयोजन किया गया। पीटीए अध्यक्ष डा. राम प्रसाद पंत ने कहा कि इस प्रक्रिया का संचालन निष्पक्ष एवं लोकतांत्रिक तरीके से सुनिश्चित करना है, जिससे शिक्षकों एवं अभिभावकों के बीच अच्छा समन्वय स्थापित हो सके।

महाविद्यालय परिसर में आयोजित बैठक में प्राचार्य डा. विजय कुमार अग्रवाल ने कॉलेज की उपलब्धियों, अधोसंरचना और शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने के लिए भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम सयोजक एवं पीटीए सचिव डा. कुमार गौरव जैन ने पीटीए की महत्ता और शिक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने की जानकारी दी। उन्होंने महाविद्यालय के विभिन्न क्रियाकलाप, परीक्षा परिणाम, अनुशासन, नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन, पर्यावरण संरक्षण, रोजगारपरक कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं लोकपर्व, छात्र-छात्राओं की नियमित उपस्थिति पर चर्चा की। इस मौके पर पीटीए की उपाध्यक्ष आशा देवी, महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डा.प्रकाश फोंदणी, डा. कल्पना रावत आदि शामिल रहे।

म्यूंडी की मंजू देवी एक वोट से चुनी गई ग्राम प्रधान

नई टिहरी। जाखणीधार ब्लॉक के ग्राम पंचायत म्यूंडी से प्रधान प्रत्याशी मंजू देवी का भाग्य का फैसला एक वोट से हुआ। ढुंगमंदार पट्टी के ग्राम पंचायत म्यूंडी में कुल 159 वोट पड़े थे। जिनमें दो वोट अवैध पाई गई। जबकि मंजू देवी को 79 और नीलम देवी को 78 वोट पड़े। ऐसे में मंजू देवी एक वोट से जीत गई।

कल्जीखाल ब्लॉक में ज्यादातर पुराने प्रधानों पर जताया भरोसा

क्षेत्र पंचायत सदस्य गुठींडा संजय डबराल मिंटू प्रमाण पत्र दिखाते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव आखिर शांति पूर्वक सम्पन्न हो गए। गुरुवार को देर रात तक चली मतगणना में प्रत्याशियों के समर्थक सुबह से ही अपने-अपने प्रत्याशियों के परिणामों की प्रतीक्षा में ब्लॉक मुख्यालय के बाहर फूलमाला लेकर खड़े रहे। ब्लॉक कल्जीखाल की सबसे चर्चित सीट क्षेत्र पंचायत गुठिड़ा की रही। जहां पूर्व जिला पंचायत सदस्य संजय डबराल मिंटू क्षेत्र पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ रहे थे। वह भी 200 मतों से चुनाव जीत गए।

विकासखंड कल्जीखाल में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 23 क्षेत्र पंचायत सदस्यों में से 2 क्षेत्र पंचायत सदस्य पहले निर्विरोध निर्वाचित हो गए थे। 21 क्षेत्र पंचायत सीटों पर चुनाव हुआ, वहीं 87 ग्राम पंचायतों में 12 ग्राम निर्विरोध निर्वाचित हो गए थे।

74 ग्राम पंचायत प्रधानों के सीटों के लिए मतदान हुआ। जबकि ग्राम पंचायत डांगी में प्रधान पद पिछड़ी जाति महिला आरक्षित सीट होने के कारण प्रत्याक्षी न होने से प्रधान का चुनाव नहीं हुआ। क्षेत्रीय निर्वाचन अधिकारी अरविंद सिंह ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव सम्पन्न करवाने में सभी कार्मिकों का सहयोग रहा। साथ उन्होंने सभी निर्वाचित ग्राम पंचायत प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्यों को प्रमाण पत्र निर्गत करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जिला पंचायत सीट गढ़कोट 08 से निर्दलीय प्रत्याशी सविता देवी को कुल मत 4910 प्राप्त हुए, वहीं भाजपा समर्थित प्रत्याशी श्रीमती मोहिनी देवी को 2060 मत प्राप्त हुए, जबकि कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी 1422 मतों से संतुष्ट होना पड़ा। वही दूसरी जिला पंचायत सीट 07 थेंर भाजपा समर्थित प्रत्याशी श्रीमती कमला देवी को 3790, कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी श्रीमती मधु देवी 2644, निर्दलीय प्रत्याशी सविता देवी को 955, निर्दलीय प्रत्याशी श्रीमती शशि देवी को 466 से संतुष्ट होना पड़ा है।

1 वोट से चुनाव जीती गीता देवी

पौड़ी : ग्राम पंचायत पुंडोरी में गीता देवी 1 मत से दूसरी बार प्रधान का चुनाव जीती है। ग्राम पंचायत पुण्डोरी में कुल मत 96 पड़े, जिसमें गीता देवी को 38 मत पढ़े, जबकि दीपा देवी को 37, वहीं तीसरे प्रत्याक्षी शिवानी देवी को 21 मत पड़े। इस प्रकार श्रीमती गीता देवी एक वोट से जीतकर दूसरी बार प्रधान निर्वाचित हुई। कल्जीखाल ब्लॉक के ग्राम पंचायत धारी में मदन सिंह रावत लगातार दूसरी बार ग्राम पंचायत प्रधान निर्वाचित हुए है। इससे पहले दो बार वह ग्राम प्रधान रहे है। चौथी बार प्रधान बनने वाले वह एक मात्र वरिष्ठ एवं अनुभवी प्रधान हैं। उनका अनुभव और मार्ग दर्शन पहली बार नव निर्वाचित प्रधानों को मिलेगा

चौथी बार प्रधान बनें श्रीपाल नेगी

ग्राम प्रधान दिउसी श्रीमती ममता नेगी।

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल के ग्राम पंचायत दिउसी से प्रधान का चुनाव श्रीमती ममता नेगी जीता है। वह रिवर्स पलायन कर ग्रामवासियों की सेवा करने दिल्ली से गांव आई है। ममता नेगी शिक्षित प्रधान है। उन्होंने कहा कि वह युवा सोच के साथ अपनी पंचायत में ग्राम स्वराज के तहत कुछ हट कर विकास करना चाहती है। ग्राम पंचायत सुतार गांव से श्रीपाल नेगी चौथी बार प्रधान बनें है। तीन बार प्रधान, एक बार क्षेत्र पंचायत सदस्य रहे है और एक बार फिर चौथी बार प्रधान बनने का उनकी ग्राम पंचायत ने उन्हें अवसर दिया है।

प्रीति बनीं सबसे युवा प्रधान

पौड़ी : कल्जीखाल ब्लॉक में 22 वर्षीय कुमारी प्रीति सबसे युवा प्रधान बनीं है। वह ग्राम पंचायत बंगा बुगा की प्रधान निर्वाचित हुई है। प्रीति के माता-पिता भी पूर्व में प्रधान रह चुके है। वहीं क्षेत्र पंचायत सीट बिलखेत 10 से श्रीमती प्रिया ने क्षेत्र पंचायत सदस्य का चुनाव जीता है। वह कल्जीखाल ब्लॉक में सबसे कम उम्र की क्षेत्र पंचायत सदस्य बनी है।

ग्राम पंचायत बंगा बुगा प्रधान कुमारी प्रीति।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के परिणाम घोषित, निर्वाचित प्रत्याशियों को दिये प्रमाण पत्र

26 जिला पंचायत सदस्य, 243 बीडीसी सदस्य, 609 ग्राम प्रधान निर्वाचित

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जनपद चमोली में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 की मतगणना पूर्ण हो चुकी है। जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप तिवारी के निर्देशानुसार सभी 09 विकासखंडों में शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से मतगणना प्रक्रिया संपन्न की गई। जनपद में हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में 26 जिला पंचायत सदस्य पदों के निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद अपर जिला अधिकारी विवेक प्रकाश ने शुक्रवार को निर्वाचित प्रत्याशियों को कलक्ट्रेट में प्रमाण पत्र प्रदान किए।जिला पंचायत सदस्य के ढाक वार्ड पर आयुषी ने 3032 मत प्राप्त कर अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी आशा देवी को 1243 मतों से पराजित किया है। उर्गम वार्ड से रमा देवी को 2509 मत प्राप्त हुए। उन्होंने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी प्रियंका परमार को 78 वोटों से पराजित कर दिया है। सैंजी वार्ड से संतोषी ने 2707 मत प्राप्त कर संगीता देवी को 628 मतों से पराजित किया। देवर खडोरा से जिला पंचायत प्रत्याशी जय प्रकाश सिंह ने 3690 मत पाकर दिगम्बर सिंह को पराजित कर 260 मतों से विजयी हुए हैं। पिंलग वार्ड से विपिन फरस्वाण को 2361 मत प्राप्त हुए उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी प्रकाश बर्त्वाल को 108 मतों से पराजित कर दिया है। सलना वार्ड से दिव्या भारती को 1726 मत प्राप्त हुए। दिव्या ने गीता देवी को 48 वोटों से पराजित कर जीत दर्ज कर ली है। रानौ वार्ड में लक्ष्मण सिंह ने 2580 मत प्राप्त कर रजनी भंडारी को 479 मतों से पराजित किया है। थालाबैंड वार्ड वीरेंद्र सिंह ने

1286 मत पाकर दिनेश सिंह को 130 मतों से जीत दर्ज कर ली है। रेखा देवी को 2860 मत मिले। उन्होंने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी शोभा देवी को 118 मतों से पराजित कर जीत हासिल की। सिमली वार्ड से विक्रम सिंह ने 2235 मत प्राप्त कर देवेंद्र सिंह को 54 वोटों से हाराया। थिरपाक वार्ड में सरोजनी देवी ने 2997 मत प्राप्त कर मीना देवी को 5 मतों के अंतर से पराजित किया। भल्सौं वार्ड से विशम्बरी देवी को 2156 मत प्राप्त हुए। उन्होंने शोभा देवी को 310 मतों से पराजित कर जीत दर्ज की है। मालसी वार्ड से कामेश्वरी देवी ने 4276 मत प्राप्त कर पूजा को 1844 मतों से पराजित किया। कोठा वार्ड के लिए सुरेश कुमार ने 2334 ने 548 मतों से सुरेंद्र सिंह को पराजित कर जीत दर्ज की। बछुवा बाण वार्ड से अनिता रावत ने 3547 मत प्राप्त कर राधा देवी को 1765 मतों से पराजित किया। अन्द्रपा जिला पंचायत वार्ड से जगदीश सिंह 2201 मत प्राप्त कर अनिल सिंह को 255 मतों से हराकर जीत दर्ज की। कोठली वार्ड से शशी नेगी को 2592 मत मिले उन्होंने 931 मतों से अमृता को पराजित कर जीत हासिल की। छेकुड़ा वार्ड से सुरेंद्र सिंह नेगी को 1954 मत प्राप्त हुए उन्होंने संजय सिंह नेगी को 242 मतों से पराजित किया। विनायक वार्ड से प्रदीप बुटोला ने 513 मतों से मनोज सिंह को हराकर जीत हासिल की। उनको 1644 मत प्राप्त हुए। सूना वार्ड से हरीश राम ने 218 मतों से हरीश ज्योति को पराजित किया। हरीश राम ने कुल 1742 मत प्राप्त किए। चौण्डा वार्ड में कला देवी ने 3545 मत प्राप्त कर अपने निकटतम प्रतिद्वंदी जीवंती देवी का 1463 वोटों से पराजित कर जीत दर्ज की। हाट कल्याणी वार्ड से उर्मिला बिष्ट ने 367 मतों से मेघा को पराजित किया। उर्मिला को कुल 1859 मत प्राप्त हुए। सवाड़ वार्ड से बलवीर राम को 1114 मत प्राप्त हुए। उन्होंने प्रकाश राम को 12 मतों से पराजित किया। मटई वार्ड से दौलत सिंह ने 2543 मत प्राप्त कर सुनील कुमार सिंह को 1375 मतों से पराजित कर जीत दर्ज की। बूरा वार्ड से भगवती देवी ने 33 मतों से सुलोचना देवी को पराजित कर जीत हासिल की। भगवती देवी को कुल 2792 मत प्राप्त हुए और भेंटी वार्ड से महेंद्र सिंह ने 1140 मत प्राप्त कर देव सिंह नेगी को 66 मतों से पराजित किया है।

छिनका सीट पर बीडीसी के लिए नहीं हुआ निर्वाचन

जनपद चमोली में क्षेत्र पंचायत सदस्य के सभी 243 पदों पर हुए निर्वाचन के बाद विजेता प्रत्याशियों को प्रमाण पत्रों का ब्लॉक मुख्यालयों पर प्रमाण पत्र वितरित किए जा चुके हैं। जनपद के दशोली में 28, देवाल में 20, गैरसैंण में 40, नदानगर में 28, ज्योतिर्मठ में 23, कर्णप्रयाग में 31, नारायणबगड़ में 25, पोखरी में 25 और थराली में 23 क्षेत्र पंचायत सदस्यों का निर्वाचन हुआ है। जबकि दशोली ब्लॉक की छिनका सीट पर किसी भी प्रत्याशी की ओर से नामांकन न किए जाने के चलते निर्वाचन नहीं हो सका है।

जिले में छः ग्राम पंचायत प्रधान के पद रिक्त

त्रिस्तरीय चुनाव के तहत चमोली जनपद में ग्राम पंचायत प्रधान पद के लिए 609 प्रत्याशियों का विधिवत निर्वाचन हो गया है। जिसके बाद सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र निर्गत किए जा चुके हैं। जनपद के विकासखंड दशोली में 67, देवाल मे 46, गैरसैण में 95, नंदानगर में 54, ज्योर्तिमठ में 58, कर्णप्रयाग में 94, नारायणबगड़ में 76, पोखरी में 73 और थराली में 46 ग्राम पंचायत प्रधानों का निर्वाचन हो गया है। जनपद में विकासखण्ड नारायणबगड़ की ग्राम पंचायत नाखोली, चलियापानी तथा जुनेर, विकासखण्ड देवाल की ग्राम पंचायत कुलिंग एवं विकासखण्ड थराली की ग्राम पंचायत मैन और देवलग्वाड़ विभिन्न कारणों से ग्राम पंचायत प्रधान निर्वाचन नहीं हुआ है। जनपद में कुल 6 ग्राम पंचायत प्रधान के पद रिक्त हैं।

फार्मासिस्ट शकुंतला बनी बीडीसी

नई टिहरी : क्षेत्र पंचायत देवलकंडी से विजयी 22 वर्षीय शकुंतला नेगी फार्मासिस्ट हैं। अपने पिता पूर्व प्रधान स्व. सब्बल सिंह नेगी के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए उन्होंने गांव की सेवा का संकल्प लिया। दो भाई व तीन बहनो में सबसे छोटी शकुंतला नेगी के अनुसार इस बर्ष अप्रैल में पक्षाघात से उनके पिता का निधन होने के बाद पूरा परिवार गहरे दुःख में चला गया था। लेकिन उन्होंने हिम्मत करते अपनी मां पूर्व बीडीसी सदस्य देवेश्वरी से पिता के सपनों को पूरा करने के लिए चुनाव लड़ने की बात कही। 22 वर्षीय फार्मासिस्ट बेटी शकुंतला को पंचायती चुनाव में उतारने को लेकर उनमें असमंजस बना रहा। मगर शकुंतला नेगी यहां पूरे संकल्प के साथ चुनावी मैदान में उतरी और तीन गांवों फरसोली, सकुंड व देवल कंडी में मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचाने में सफल रही। शकुंतला ने यहां सीता देवी को पराजित किया और क्षेत्र पंचायत सदस्य चुनी गयी।

पूर्व मंत्री कंडारी के पुत्र और बहू बनें बीडीसी सदस्य

नई टिहरी : टिहरी जनपद के भिलंगना ब्लॉक में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के नतीजों ने कंडारी परिवार को दोहरी खुशी दी है। पूर्व कैबिनेट मंत्री मातबर सिंह कंडारी के पुत्र राजीव कंडारी ने बहेड़ा सीट से, जबकि उनकी बहू रीना कंडारी ने मल्याकोट सीट से जीत दर्ज कर परिवार की सियासी पकड़ को और मजबूत किया है।

दोनों ने अपने-अपने क्षेत्रों में दमदार प्रदर्शन करते हुए जनता का भरपूर समर्थन प्राप्त किया। मतगणना पूरी होने के बाद जब परिणामों की घोषणा हुई तो समर्थकों में जबरदस्त उत्साह और खुशी की लहर दौड़ गई। राजीव कंडारी और रीना कंडारी ने अपनी जीत को जनता के आशीर्वाद और विश्वास की जीत बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि जनता के सहयोग और समर्थन की जीत है। स्थानीय ग्रामीणों और समर्थकों ने भी कंडारी परिवार के दोनों विजेताओं को बधाई दी और उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र का समग्र विकास होगा। यह जीत न केवल कंडारी परिवार की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने वाली साबित हुई है, बल्कि भिलंगना क्षेत्र में आगामी चुनावी समीकरणों को भी प्रभावित कर सकती है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह संघर्ष यहीं नहीं रुकेगा, बल्कि अब लक्ष्य ब्लाक प्रमुख पद है, जिसके लिए संघर्ष और समर्थन की यह लहर आगे भी जारी रहेगी। राजीव कंडारी ने कहा कि हमारी लड़ाई केवल जीतने तक सीमित नहीं है, हम क्षेत्र के विकास, पारदर्शी शासन और जनसेवा के लिए ब्लाक स्तर तक अपनी भूमिका मजबूत करना चाहते हैं। स्थानीय ग्रामीणों और समर्थकों ने भी इस दोहरी जीत को क्षेत्र की राजनीति में नई दिशा और उम्मीद की किरण बताया है। कंडारी परिवार की इस सफलता ने आने वाले चुनावी समीकरणों को भी नया मोड़ दे दिया है। (एजेंसी)

मुख्यमंत्री ने सारकोट की नव निर्वाचित युवा प्रधान प्रियंका को दी बधाई

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चमोली जिले में गैरसैंण के निकट सारकोट ग्राम पंचायत की नवनिर्वाचित प्रधान 21 वर्षीय प्रियंका नेगी को बधाई दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार सारकोट को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित कर रही है, अन्य जिलों में भी इसी तरह आदर्श ग्राम बनाए जाएंगे। जल्द ही सभी मुख्य विकास अधिकारी सारकोट का अध्ययन करने के लिए आएंगे।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को फोन पर प्रियंका नेगी को बधाई देते हुए कहा कि, जिस तरह सारकोट के ग्रामीणों ने एक पढ़ी लिखी युवा लड़की को अपना प्रधान चुना है, उसके लिए सभी ग्रामीण बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री ने प्रियंका से कहा कि अब हमें सारकोट को और विकसित करना है, गांव में कृषि, पशुपालन के साथ ही महिला स्वरोजगार से जुड़े सभी कार्य तेजी से आगे बढ़ाए जाएंगे। सरकार सारकोट को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित कर रही है। इसी की तर्ज पर अन्य जिलों में भी आदर्श ग्राम विकसित किए जाएंगे। जल्द सभी सीडीओ सारकोट के दौरे पर आएंगे। मुख्यमंत्री ने प्रियंका को देहरादून आने का भी निमंत्रण देते हुए, गांव के विकास पर मंथन करने का भी आश्वासन दिया। इस बार के पंचायत चुनाव में कई युवा और पढ़े लिखे प्रतिनिधि निर्वाचित हुए हैं, जो त्रिस्तरीय पंचायतों के लिए एक शुभ संकेत है, सरकार पंचायतों को पूरा सहयोग प्रदान करेगी। प्रियंका नेगी ने सारकोट को गोद लिए जाने के लिए का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, आदर्श ग्राम सारकोट में पहले के मुकाबले अब सभी जन सुविधाएं उपलब्ध हैं, गांव में कई विकास कार्य सम्पन्न हुए हैं। वो सरकार के सहयोग से गांव के विकास में योगदान देंगी। सारकोट को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया जा रहा है। हम सभी जिलों में ऐसे आदर्श ग्राम विकसित करेंगे। जहां रोजगार, स्वरोजगार के अवसरों साथ ही सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों।

रविवार को होगी पुलिस, पीएसी, आईआरबी (आरक्षी) की लिखित परीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : आरक्षी जनपदीय पुलिस (पुरुष) तथा आरक्षी पीएसी/आईआरबी (पुरुष) के पदों पर चयन हेतु आगामी रविवार को लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। एकल पाली में आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा के दौरान समस्त परीक्षा केंद्रों में धारा-163 प्रभावी रहेगी। उप जिला मजिस्ट्रेट भगत सिंह फोनिया ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त परीक्षा 03 अगस्त (रविवार) को प्रातः 11 बजे से अपराह्न 1 बजे तक आयोजित होगी।

बताया कि तहसील रुद्रप्रयाग के अंतर्गत कुल 06 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें 1339 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। उन्होंने बताया कि परीक्षा का सफल संचालन हेतु उक्त अवधि में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा परीक्षा केंद्रों के बाहर व भीतर अनुशासनहीनता, धमकी, मारपीट तथा घातक आक्रमणों जैसी घटनाओं एवं परीक्षार्थियों को अनुचित साधन के प्रयोग आदि के मध्यनजर सब डिविजन रुद्रप्रयाग के अंतर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 प्रभावी रहेगी। उन्होंने बताया कि सब डिविजन रुद्रप्रयाग के अंतर्गत कुल 06 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें अनूप नेगी मेमोरियल पब्लिक स्कूल गुलाबराय, अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज रुद्रप्रयाग, स्व. हरिदत्त बेंजवाल अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज अगस्त्यमुनि, पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज रतूड़ा, शहीद गोविंद सिंह राजकीय बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज रुद्रप्रयाग व गुरूराम राय पब्लिक स्कूल तिलणी शामिल हैं।

पर्यटक नगरी में नहीं थम रहा बंदरों का आंतक

जयन्त प्रतिनिधि।

लैन्सडाउन : पर्यटन नगरी लैंसडाउन में बंदरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। बंदरों के आतंक से निजात दिलाने के लिए व्यापार मंडल लैंसडाउन ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। पर्यटन नगरी में बंदरों के आतंक ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। स्थिति यह है कि स्थानीय लोगों ने घर के बाहर और छत पर जाना बंद कर दिया है। व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, नगर कांग्रेस अध्यक्ष गंभीर सिंह रावत का कहना है कि बंदरों का आतंक छावनी क्षेत्र में बढ़ता जा रहा है। जिससे कि आम आदमी का पर्यटन नगरी लैंसडाउन में चलना भी मुश्किल हो गया है। महिलाओं और बच्चों पर रास्ते में झपटा मारते हैं। कहा कि अभी तक बंदर कई लोगों को काट चुके है। कहा कि बंदरों को पकड़कर दूर जंगलों में छोड़ा जाना चाहिए।

रूद्रप्रयाग जिले में सघन डायरिया नियंत्रण अभियान शुरू

आशा व एएनएम पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों वाले घरों का करेंगी दौरा

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : मानसून सत्र के दौरान बच्चों में डायरिया होने की आशंका के दृष्टिगत डायरिया नियंत्रण को लेकर जनपद में सघन डायरिया रोकथाम अभियान शुरू हो गया। इसके तहत जनपद की सभी चिकित्सा इकाइयों में जिंक ओआरएस कार्नर की स्थापना कर इन कार्नर के माध्यम से जिंक व ओआरएस पैकेट का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है। वहीं अभियान के दौरान डायरिया रोकथाम को लेकर विभिन्न गतिवियां आयोजित की जाएंगी।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सीमा टेकचंदानी ने आंगनबाड़ी केंद्र बेला खुरड़ में बच्चों को ओआरएस पैकेट वितरित कर डायरिया पखवाड़े का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय

स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में 01 अगस्त से मानसून सत्र तक सघन डायरिया रोकथाम अभियान का आयोजन किया जा रहा है। बताया कि इसके तहत आशा व एएनएम पांच साल कम उम्र के बच्चों वाले घरों का दौरा करेंगी व इन घरों में अनिवार्य रूप से ओआरएस पैकेट का वितरण किया जाएगा। साथ ही आशा व एएनएम द्वारा लक्षित आयु वर्ग के बच्चों के अभिभावकों को डायरिया के लक्षण बचाव के बारे में जागरूक किया जाएगा व ओआरएस घोल बनाने की विधि सिखाई जाएगी। घर भ्रमण के दौरान डायरिया के लक्षण मिलने पर संबंधित शिशु को निकटवर्ती चिकित्सालय रेफर किया जाएगा। बताया कि पीड़ित बच्चे को निःशुल्क जिंक टैबलेट उपलब्ध कराई जाएगी, इसके अतिरिक्त आशा कार्यकत्रियों द्वारा शिशु की माताओं को स्वच्छता व स्तनपान प्रथाओं को बढ़ावा देने को लेकर भी जागरू किया जाएगा व गृह भ्रमण के दौरान क्लोरिन टैबलेट का वितरण किया जाएगा। अभियान के तहत जनपद में साभी चिकित्सा इकाईयों में निःशुल्क ओआरएस पैकेट व जिंक दवा के वितरण हेतु जिंक ओआरएस कार्नर की स्थापना की गई है। वहीं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि में आयोजित गोष्ठी में चिकित्सा अधिकारी डॉ. महिमा द्वारा डायरिया रोकथाम के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। इस अवसर पर डीपीसी एनटीईपी मुकेश बगवाड़ी, काउंसलर आरकेएसके जयदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

31 सितंबर तक चलेगा सघन डायरिया नियंत्रण अभियान

158 चिकित्सा इकाइयों में नि:शुल्क जिंक ओआरएस कार्नर स्थापित किये गए

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मानसून के दौरान बच्चों में डायरिया होने की आशंका के दृष्टिगत डायरिया नियंत्रण को लेकर 01 अगस्त से जनपद में सघन डायरिया रोकथाम अभियान शुरू हो गया हैं। इसके तहत जनपद की सभी 158 चिकित्सा इकाइयों मे जिंक ओआरएस कार्नर की स्थापना कर इन कार्नर के माध्यम से जिंक व ओआरएस पैकेट का वितरण निःशुल्क किया जाएगा। साथ ही अभियान के दौरान डायरिया रोकथाम को लेकर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिला चिकित्सालय गोपेश्वर में सघन डायरिया नियंत्रण अभियान का शुभारंभ प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनुराग धनिक एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. वैष्णव कृष्णा ने बच्चों को ओआरएस के पैकेट वितरित करते हुए किया गया। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मीनाक्षी रावत ने बताया कि एक दिन में तीन या उससे ज्यादा बार दस्त होने को डायरिया कहते हैं, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती इसके इलाज के लिए ओआरएस के एक पैकेट को 1 लीटर पानी में घोल बनाकर दस्त शुरू होते अपने बच्चों को तुरंत ओ आर एस का घोल दे। एक चम्मच पानी में या मां के दूध में जिंक की गोली को मिलाकर बच्चों को दिन में एक बार पूरे 14 दिन तक लगातार देने, दस्त के दौरान और बाद में भी बच्चे को खिलाते रहे और स्तनपान भी जारी रखेंने के बारे में बताया। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. वैष्णव कृष्णा ने बताया कि शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में 01 अगस्त से 31 सितंबर तक सघन डायरिया रोकथाम अभियान का आयोजन सशक्त बच्चे, स्वस्थ राष्ट्र के केंद्रीय थीम पर किया जा रहा है। आशा व एएनएम पांच साल से कम उम्र के बच्चों वाले घरों का दौरा करेंगी व इन घरों में अनिवार्य रूप से ओआरएस पैकेट का वितरण किया जाएगा। साथ ही आशा व एएनएम द्वारा लक्षित आयु वर्ग के बच्चों के अभिभावकों को डायरिया के लक्षण बचाव के बारे में जागरूक किया जाएगा व ओआरएस घोल बनाने की विधि सिखाई जाएगी। घर भ्रमण के दौरान डायरिया के लक्षण मिलने पर संबंधित शिशु को निकटवर्ती चिकित्सालय रेफर किया जाएगा। बताया कि पीड़ित बच्चे को निःशुल्क जिंक टैबलेट उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अमिता, डीपीएम नरेंद्र सिंह रणजीत सिंह एवं संचालक उदय सिंह रावत शामिल रहें।

22 साल की कंचन बनीं प्रधान

नई टिहरी : थौलधार ब्लॉक के तहत एससी महिला के लिए आरक्षित गांव नकोट गुसांई में सबसे छोटी उम्र की प्रधान 22 साल की कंचन बनीं हैं। कंचन ने इंटर तक पढ़ाई की है और गांव के विकास के लिए खासी तत्पर हैं। कंचन के पिता गिरीश चंद जहां मिस्त्री का कार्य कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। वहीं मां गृहिणी हैं। चार भाई-बहिनों में कंचन सबसे छोटी हैं। कंचन का कहना है कि अपने गांव के विकास के लिए उनके मन में खासी टीस है। प्रधान बनकर गांव का विकास करने का मन था। मौका मिलने पर मौके को देखते हुए चुनाव मैदान में कूदी। चुनाव में हुई जीत ने उनके उत्साह को बढ़ाने का काम किया है और अब वह गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क व रोजगार को लेकर काम करने के लिए तत्पर हैं। (एजेंसी)

गढ़वाल विवि में रेगिंग मामले की जांच जारी

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के चौरास परिसर स्थित श्रीदेव सुमन छात्रावास में बी कॉम द्वितीय सेमेस्टर के छात्र ने यूजीसी के एंटी रेगिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर चार सीनियर छात्रों द्वारा धमकाने और बदसलूकी किये जाने का आरोप लगाया है। छात्र ने छात्रावास में रह रहे अन्य छात्रों के द्वारा हॉस्टल छोड़ने की चेतावनी दिये जाने पर पोर्टल में मामला दर्ज करवाया है। छात्र के अनुसार हॉस्टल में रह रहे अन्य छात्रों के द्वारा निजी सामान बाहर तक फेंकने की बात कही गई। विवि की एंटी रेगिंग सेल ने मामला प्रकाश में आने के बाद वायरल व्हाट्सप्प ग्रुप के माध्यम से बातचीत के आधार पर संलिप्त दो छात्रों और शिकायतकर्ता छात्र के लिखित बयान लिये हैं। गढ़वाल विवि के चीफ प्रॉक्टर एस.सी सती के अनुसार जून के महीने ग्रीष्मकालीन अवकाश होने के बावजूद 19 जून तक गढ़वाल विवि में सेमेस्टर परीक्षाएं जारी थी और कई छात्रावासों में छात्र रह रहे थे। इसी बीच 12 जून की तिथि पर बी कॉम के छात्र ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के एंटी रेगिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाते हुए छात्रावास में रह रहे अन्य छात्रों के द्वारा उसके साथ बदतमीजी और रेगिंग किये जाने का मामला प्रकाश में लाया गया। शिकायत पर व्हाट्सप्प ग्रुप से मिली जानकारी के अनुसार विवि की एंटी रेगिंग सेल ने मामले में संलिप्त दो छात्रों से पूछताछ कर जानकारी ली। प्रो. सती ने बताया कि मामले में अन्य छात्रों से पूछताछ की जानी है, कुछ छात्र अपने घरों को निकले हैं, उनसे सम्पर्क नहीं हो पाया है। शिकायतकर्ता का संज्ञान लेते हुए दो छात्रों से पूछताछ की जानी है। बताया कि एंटी रेगिंग सेल के द्वारा मामले में सभी पक्षों को सुनने के बाद नोडल अधिकारी की उपस्थिति में जांच की जारी है। (एजेंसी)

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com